सीमा शुल्क एवं केंद्रीय कर
बेंगलूरु अंचल

ಬೃಂದಾವನ
बृंदावन
Brindavan
2024

सदस्य का दौरा

दिनांक 16.02.2024 को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के माननीय सदस्य श्री शशांक प्रिया ने केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल का दौरा किया । उनके साथ समीक्षा बैठक में केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के वरिष्ठ अधिकारीगण ने भाग लिया। बैठक के दौरान डीआरसी-3 के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। तथा जीएसटी अधिनिर्णयों के मामलों को शीघ्र निपटान के लिए आदेश दिया गया।

बृंदावन

विभागीय पत्रिका

अंक 33 वर्ष 2024

संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल
प्रधान मुख्य आयुक्त
केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल

सुश्री आरती अग्रवाल श्रीनिवास
मुख्य आयुक्त
सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल

प्रधान संपादक

श्री अमितेश भरत सिंह
आयुक्त
नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय
बेंगलूरु

सहायक संपादक

श्रीमती पद्मश्री बाबू, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु
श्री वाई. सुब्रह्मण्यम, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु
श्रीमती एस. नित्या, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु
सुश्री ऋत्विका रजत, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु

प्रकाशक

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल

पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार, रचनाकारों के निजी विचार संकलित है। इन विचारों से संपादकीय मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय कर एवं सीमाशुल्क, बेंगलूरु अंचल "बृंदावन" विभागीय पत्रिका का 33वें अंक का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका का प्रकाशन राजभाषा के उत्तरोत्तर विकास के साथ-साथ उनके अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह जोन अपने नियमित कार्यों के साथ–साथ राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु गंभीरता से प्रयासरत है। ये प्रयास कर्मचारियों को अपनी छुपी प्रतिभा उजागर करने का अवसर तो देते हैं साथ ही साथ कार्यालय में हिंदी का प्रयोग को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं।

राजभाषा, अर्थात सरकारी कामकाज की भाषा का आशय है कि सभी सरकारी कर्मचारी अपना शासकीय कार्य हिंदी में करें। हिंदी का कार्य न केवल संवैधानिक कार्य है बल्कि यह राष्ट्र निर्माण का भी कार्य है। किसी भी राष्ट्र की संस्कृति और भाषा उसकी अस्मिता और अखण्डता की द्योतक होती है। हिंदी ने भारत की स्वतंत्रता में भी अमूल्य योगदान दिया था और आज भी यह भाषा भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल को बधाई तथा पत्रिका के प्रकाशन में महत्वपूर्ण योगदान देनेवाले सभी कार्यालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों का अभिनंदन।

शुभकामनाओं सहित,

प्रमोद कु. अग्रवाल

प्रमोद कुमार अग्रवाल,
प्रधान मुख्य आयुक्त,
केंद्रीय जी.एस.टी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क
बेंगलूरु अंचल

संदेश

यह अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है कि केंद्रीय कर एवं सीमाशुल्क, बेंगलूरु अंचल "बृंदावन" विभागीय पत्रिका के 33वें अंक का प्रकाशन कर रहा है। यह विभागीय पत्रिका वास्तव में बेंगलूरु अंचल के अधीन कार्यालयों एवं आयुक्तालयों का दर्पण होती है, जिससे अंचल कार्यालय की कार्यशैली, कार्यक्षेत्र के साथ साथ आयुक्तालयों में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मवाचारी-गण के सृजनात्मक कौशल का प्रतिबिंब दिखाई देता है।

किसी भी देश का विकास तभी संभव है जब उस देश के पास सशक्त भाषा हो क्योंकि भाषा केवल विचारों की अभिव्यक्ति का साधन नहीं है बल्कि यह किसी भी देश की संस्कृति तथा संस्कारों का धरोहर है। हम सुकृत है कि हमारी देश भारत न ही केवल एक बहुभाषीय देश है बल्कि एक समृद्ध साहित्य एवं ऐतिहासिक संस्कृति से भरा देश है जिसमें हिंदी भाषा विशेष, विशाल और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस पत्रिका से जुड़े अपनी रचनाओं के माध्यम से रचनाकारों ने अपनी सृजनात्मकता का जो परिचय दिया है, वह बहुत ही प्रशंसकीय है। मैं पत्रिका को सफल बनानेवाले समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देती हूँ और आशा करती हूँ कि भविष्य में भी उनका योगदान मिलता रहे।

आरती

आरती अग्रवाल श्रीनिवास
मुख्य आयुक्त
सीमाशुल्क, बेंगलूरु अंचल

प्रधान संपादक की कलम से......

बृंदावन के 33 वें अंक की पत्रिका के माध्यम से मुझे दो शब्द लिखने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। यह मेरे लिए हर्ष और गौरव की बात है।

हिंदी भारत की मूल भाषा है तथा यह भाषा हमारी संस्कृति की और संस्कारों की पहचान है। हिंदी एक भावात्मक भाषा है। हिंदी भाषा देश की एकता का सूत्र है। भाषा ही वह माध्यम है जिससे कोई भी समाज अपनी संस्कृति और परंपरा को भावी पीढियों तक पहुंचाता है। सीमाशुल्क एवं केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल में प्राय: सभी स्तरों पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका श्रेय यहाँ के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाता है।

मुझे विश्वास है कि भविष्य में हमारे सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण राजभाषा हिंदी में अपना अधिकाधिक कार्य करके राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे।

बृंदावन के 33वें अंक की पत्रिका के सफल प्रकाशन केलिए संपादक मंडल को हार्दिक शुभकामनाएं।

अमितेश भरत सिंह
आयुक्त
नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय
बेंगलूरु

सी.बी.आई.सी. के प्रशंसा प्रमाण-पत्र विजेता

श्री दम्मन्ना निखिल, आसूचना अधिकारी

श्री दम्मन्ना निखिल ने अपने शैक्षिक योग्यता के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी में बी-टेक किया है, और दिनांक 08.05.2017 को इस विभाग में निरीक्षक के रूप में अपना कार्यभार संभाला। वर्तमान में दिनांक 01.09.2021 से जीएसटी आसूचना महानिदेशालय, बेंगलूरु में **आसूचना अधिकारी** के रूप में कार्यरत हैं। अधिकारी के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विशेष डेटा एनालिटिकल टूल्स (बी.आई.एफ.ए., ए.डी.वी.ए.आई.टी., ई-वे बिल एडवांस्ड रिपोर्ट्स आदि बनाना) का उपयोग करने में अपने कौशल को बेहतर किया है, जो विशेष रूप से नकली चालान मामलों और अन्य मुद्दे आधारित मामलों पर खुफिया जानकारी विकसित करने में बहुत आवश्यक है। इस अधिकारी द्वारा दिन-प्रतिदिन के कार्यों में इन कौशलों के प्रभावी अनुप्रयोग से विभिन्न क्षेत्रों और देश के सभी हिस्सों में जीएसटी चोरी का पता लगाने में मदद मिली है।

श्री निखिल के इन कार्यों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 62 करोड़ रुपए का पता लगाया गया था और 35 करोड़ रुपये वसूली हुई थी। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 140 करोड़ रुपए का पता लगाया गया था और 75 करोड़ रुपए वसूली हुई थी । तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक 120 करोड़ रुपए का पता लगाया गया था और 85 करोड़ रुपए वसूली हुई थी।

श्री दम्मन्ना निखिल, आसूचना अधिकारी द्वारा किए गए उपर्युक्त विशेष सेवा के लिए बोर्ड ने उन्हें प्रशंसा प्रमाण-पत्र से नवाज़ा।

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल में कार्यरत समस्त अधिकारियों की ओर आप को ढेर सारी शुभकामनाएं

बधाई

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलूरु द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता

अक्तूबर 2023 के दौरान नगर राजभाषा कर्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), बेंगलूरु के तत्वावधान में संयुक्त हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न अंतर कार्यालयीन हिंदी प्रतियोगिताओं में इस अंचल के निम्नलिखित अधिकारियों ने भाग लिया और पुरस्कार जीता।

हिंदी वर्ग पहेली

प्रोत्साहन पुरस्कार-I

सुश्री तारा सिंह
हवलदार,
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

स्वरचित कविता

प्रोत्साहन पुरस्कार-III

सुश्री नेहा कश्यप
हवलदार,
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

विविधा

प्रथम पुरस्कार

श्री अभिषेक गुप्ता
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी
प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय

प्रथम पुरस्कार

सुश्री तारा सिंह
हवलदार
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

तृतीय पुरस्कार

श्री वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय

प्रोत्साहन पुरस्कार-I

सुश्री नेहा कश्यप
हवलदार,
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल में कार्यरत समस्त अधिकारियों की ओर आप को ढेर सारी शुभकामनाएं

बधाई

एकल गायन

प्रोत्साहन पुरस्कार-I

श्री डी. ज़ेवियर
सहायक आयुक्त
बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय

प्रोत्साहन पुरस्कार-III

श्री अनुराग उपाध्याय
निरीक्षक
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

नगर राजभाषा कर्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), बेंगलूरु के तत्वावधान में दिनांक 12-06-2024 को सी.एम.टी.आई., बेंगलूरु द्वारा आयोजित अंतर कार्यालयीन हिंदी की विविधा प्रतियोगिता में इस कार्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों ने भाग लिया और पुरस्कार जीता।

तृतीय पुरस्कार

श्री वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय

प्रोत्साहन पुरस्कार-III

श्री अभिषेक गुप्ता
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी
प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय

दिनांक 15.07.2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.-2), बेंगलूरु के तत्वावधान में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिता "तस्वीर पर कहानी लेखन" में भाग लेकर इस विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों ने पुरस्कार जीता।

द्वितीय पुरस्कार

श्री प्रमोद कुमार
हवलदार
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त कार्यालय, बेंगलूरु

सांत्वना पुरस्कार-II

श्री सोमेश कुमार सिंह
हवलदार
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त कार्यालय, बेंगलूरु

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल में कार्यरत समस्त अधिकारियों की ओर आप को ढेर सारी शुभकामनाएं

आपने कहा. . . .

प्रधान निदेशक रक्षा - वाणिज्यिक
लेखापरीक्षा का कार्यालय, बेंगलोर-560001
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF
AUDIT DEFENCE- COMMERCIAL, BENGALURU-560001.

हि.प्रशा.2023/24/ 223 | दिनांक - 21/02/2024

सेवा में,

वरि. लेखापरीक्षा अधिकारी (राजभाषा),
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय,
बेंगलूरु-560001

विषयः- प्रशंसा पत्र।

महोदय /महोदया,

आपके कार्यालय की वार्षिक हिन्दी ई-पत्रिका "बृदांवन" के 32 वें अंक की प्रति इस कार्यालय को सहर्ष प्राप्त हुई है। पत्रिका में सम्मलित सभी रचनाऐं पठनीय एवं प्रशंसनीय हैं। विभिन्न प्रकार की रचनाओं से सजी आपकी पत्रिका हिन्दी कार्यान्वयन की दिशा में एक स्वर्णिम प्रयास है| पत्रिका के प्रकाशन के सफल प्रयास हेतु शुभकामनाएँ।

धन्यवाद,

भवदीया,
सरिता
हिन्दी अधिकारी

Dr. Malatesh Mailar
to me

Jan 24, 2024, 10:27 AM (8 days ago)

Translate to English

केन्द्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय की पत्रिका "बृंदावन" की प्राप्ति पावती / Acknowledgement

महोदय

केन्द्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय की पत्रिका "बृंदावन" की ई-प्रति मेल द्वारा प्राप्त हुई। पत्रिका भेजने हेतु धन्यवाद।

इस पत्रिका के प्रकाशन में संपादन मंडल द्वारा किया गया प्रयास अत्यंत सराहनीय एवं प्रशंसनीय है। साज-सज्जा, कलेवर एवं लेख आदि सभी दृष्टि से पत्रिका समरृथ है। पत्रिकाओं में उपलब्ध सभी लेख अति उत्तम एवं ज्ञानवर्धक है तथा इनमें प्रकाशित कविताएं भी अत्यंत सुंदर एवं मार्मिक है। पत्रिका में उल्लिखित राजभाषा से संबंधित गतिविधियों से पता चलता है कि कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन सुचारु रूप से हो रहा है।

पत्रिकाओं के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल, राजभाषा समिति एवं प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र है।

सादर

मालतेश

डॉ. मालतेश मैलार / Dr. Malatesh Mailar
सहायक निदेशक (राभा) / Assistant Director (OL)
संपर्क : +91-19980067120, 080-22658245

विषय - वस्तु

क्रम सं.	लेख	रचयिता	पृष्ठ सं.
1.	अस्तित्व	अमितेश भारत सिंह	1
2.	हास्य व्यंग मुहावरे और लोकोक्तियों के माध्यम से	संजीव कटियार	1
3.	अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस 2024		2
4.	रण और प्रण	सुनील कुमार	7
5.	सवाल तुमसे भी पूछा जाएगा	प्रभात मिश्रा	7
6.	हिंदी दिवस 2023		8
7.	भारत के अनमोन रतन	मित्रेश्वर झा 'सहिष्णु'	10
8.	दो बटन के बीच से विश्व	वाई. सुब्रह्मण्यम	11
9.	जिंदगी खूबसूरत है, इसे जीना सीखिए	रेखा गुप्ता	11
10.	जीएसटी दिवस 2024		12
11.	पल भर की कविता	अभिषेक गैरोला	14
12.	सफेद रंग	रितु राज रंजन	14
13.	समझ से परे	अरुण कुमार चंद्रवंशी	14
14.	गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस 2024		15
15.	बंटवारा	कुमार सचिन	17
16.	माँ	कुनाल कपानिया	17
17.	कर्म कर	आकांक्षा शर्मा	17
18.	जाने दो मझे	मधुरंजन राय	17
19.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह		18

विषय - वस्तु

क्रम सं.	लेख	रचयिता	पृष्ठ सं.
20.	तस्वीर	नितेश कुमार गुप्ता	20
21.	माँ का किरदार	प्रभा	20
22.	सीमा शुल्क उपलब्धियाँ		21
23.	नशा मुक्त भारत पखवाडा		24
24.	क्विज-जीएसटी सीखने का एक तरीका	विजय कुमार	25
25.	उम्मीद अभी बाकी हैं	ओम शिवराम	31
26.	दुनिया की पहली AI मॉडल-ऐताना	विवेक सेहरावत	31
27.	हिंदी कार्यशाला		32
28.	स्वच्छता शपथ		33
29.	विश्व पर्यावरण दिवस		34
30.	कन्नड प्रशिक्षण		36
31.	ಕನ್ನಡ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವ	ಪ್ರಸನ್ನ ವಿ.ಎಸ್. ಜೋಯ್ಸ್	37
32.	ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಜ್ಞಾನಪೀಠ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ತಂದ ದಿಗ್ಗಜರು		40
33.	ಬಾಲ್ಯ	ಪವನ್ ಎ.ವಿ.	40
34.	Hello, Police? Somebody stole our colours	Pratishtha	41
35.	Do you copy?	Gaurav Singh	42
36.	We are Stenos	Yashwanth Velpula	42
37.	चित्रकारी		43

अस्तित्व

हम सभी कठपुतलियाँ, इस जीवन-मृत्यु के रंगमंच पर,
नियति की डोरियों से बंधे, हर पल नया पाठ पढ़ते जीवन में।
थके नहीं, रुके नहीं, चाहे पथ कितना ही विकट हो,
दिशाएँ बदलीं, पर हम मनुज, संघर्ष से सीखते हर क्षण,
जीवन का यह चक्र निरंतर, यही तो है सृष्टि का सत्य सनातन।
फिर क्यों, हे मानव, तू स्वयं पर दोष के तीर चलाए,
ईश्वर बनने का मिथ्या भ्रम क्यों अपने मन में लाए?
क्या तूने समझा नहीं, ईश्वर का नाम तेरे ही लिए नहीं है अनंत ?
विधि का विधान है, पर तेरी तो यही है नियति,
कि अपनी शक्ति पहचान, उठा सिर, और कर आगे विहार।
चल, बढ़ता चल, पथ है लंबा,
जितना तू सोचे, उससे भी परे है तेरी यात्रा।
कभी गिर, कभी संभल, यही तो है चक्र जीवन का,
यही सत्य अनन्त।
संभाल अब हृदय में वे अमूल्य क्षण,
जो संग मातृ-पितृ बिताए थे, कर संग्रहीत उन्हें,
उठाकर दृष्टि, अब आगे बढ़, न रुक, न झुक।
तेरा यही कर्तव्य, यही श्रद्धांजलि सच्ची,
कि तू अपना दु:ख छुपाकर, अपने मार्ग पर हँसते-हँसते
चलता रहे।

अमितेश भरत सिंह
आयुक्त
नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय
बेंगलूरु

हास्य व्यंग मुहावरे और लोकोक्तियों के माध्यम से

1. हम भैंस के आगे रोये थे इसलिये अपने दीदे खोये थे, क्योंकि भैंस लाठी वाले की थी।।
   अब हम अंधों में काने राजा हैं और सबको एक नज़र से देखते हैं।
2. नक्कार खाने में तूती की आवाज़ कैसे सुनायी देती क्योंकि,
   हमने जब ओखली में सर दिया था तो मूसल से बहुत कूचे गये थे।
3. चौबे गए थे छब्बे बनने दूबे बन कर क्यों लौटे,
   क्योंकि वो गए तो थे हरिभजन को पर ओटन लगे थे कपास।
4. चोर चोर मौसेरे भाई हो सकते हैं लेकिन एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकतीं,
   क्योंकि जहाँ चार बर्तन होंगे तो वो खटकेंगें ही, आखिर धातुयें है।
5. खोदा पहाड़ निकली चुहिया, क्यों?
   क्योंकि पहाड़ राई का था।
6. बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से होये लेकिन, अगर चींटी के पर निकल आये तो उल्टी गंगा भी बह सकती है।
7. बंदर के हाथ में उस्तरा दिया तो पर कतर भी सकते हैं, ना मानो तो करके देख लो, इसमें हाथ कंगन को आरसी क्या और पढ़ें लिखे को फारसी क्या।।

अंतिम छन्द-

8. तिल का ताड़, राई का पहाड़ , बात का बतंगड़ चूहे की दहाड़।

संजीव कटियार
अधीक्षक, सीमा शुल्क,
सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस - 2024

दिनांक 27-01-2024 को बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल द्वारा सीमा शुल्क आयुक्तालय, मंगलूरु में अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस 2024 मनाया गया। दीप प्रज्ज्वलन तथा गणेश वन्दना के साथ कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ। श्रीमती पी. विनीता शेखर, आयुक्त, सीमा शुल्क, मंगलूरु ने स्वागत भाषण दिया एवं मंचासीन गणमान्य व्यक्तियों, सभी विभागीय अधिकारीगण, वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारियों उद्योग, व्यापार समूह के माननीय सदस्यों, एवं सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। श्रीमती वी. उषा, मुख्य आयुक्त, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी, श्री डी. आई. जी. प्रवीण कुमार मिश्रा, डिस्ट्रिक्ट कमांड 03 कोस्ट गार्ड डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे।

समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती वी. उषा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डाक पार्सल की निकासी के लिए आयात मॉडल जल्द ही पूरे देश में लागू किया जाएगा एवं बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल ने पायलट मॉडल को एकीकृत किया है जिसे सिस्टम और डेटा प्रबंधन निदेशालय द्वारा भारतीय पोस्ट के साथ विकसित किया गया है। इस मॉडल के जल्द ही देश भर में जारी होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार के लिए लाभकारी परिवर्तनों का सुझाव देने के लिए एक कार्य समूह का गठन किया गया था, उन्होंने कहा कि एक अन्य कार्य समूह को प्रक्रिया को संशोधित करने और स्वचालन के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने के लिए समुद्र, वायु और भूमि में सभी मैन्युअल प्रक्रियाओं की पहचान करने के लिए कहा गया है।

समारोह के दौरान श्री अमितेश भरत सिंह, आयुक्त, नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु ने बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल की नई वेबसाइट का उल्लेख किया। बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल में कार्यरत 37 अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सेवाओं के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। डॉ. सोमण्णा सी. अपर आयुक्त, मंगलूरु सीमा शुल्क के धन्यवाद भाषण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

DH

Import model for clearance of postal parcels to be rolled out soon

'In 2023, Customs sleuths in the state seized 66 kg of tobacco products'

MANGALURU, DHNS

(From the left) Commissioner Customs, Mangaluru P Vinitha Sekhar, Commissioner, City commissionerate, Bengaluru, Amitesh Bharath Singh, District Commander, No 3 Coast Guard District, Karnataka, DIG Praveen Kumar Mishra, Chief Commissioner of Customs, Karnataka Zone Usha, Principal Commissioner of Customs, Bengaluru Kajal Singh during the International Customs day at Father Muller Convention Centre in Mangaluru.

Chief Customs Commissioner, Karnataka Zone, V Usha said on Saturday that the import model for clearance of postal parcels undertaken in foreign post offices will be rolled out across the county soon.

"Bengaluru Customs has integrated the pilot model, which is developed by the Directorate of Systems and Data Management, with India Post. This model is expected to roll out across the country soon," she said while addressing the gathering at the International Customs Day programme organised at Father Muller Convention Centre.

Stating that a working group was constituted to suggest changes beneficial to trade, she said another working group has been asked to identify all manual processes in sea, air and land, modify the processes, and increase transparency through automation.

While enforcing laws, Customs officials continue to work with all stakeholders in promoting legitimate trade, Usha added.

"Bengaluru Airport and Benglauru Air Cargo Commissionerate had collected revenue of about Rs 13,043 crore. Benglauru City Customs had collected revenue of Rs 5,600 crore, while the Mangaluru Customs had collected Rs 3,782 crore in this fiscal year," the chief customs commissioner said.

In 2023, Customs sleuths in the state seized 66 kg of tobacco products worth Rs 10.9 lakh and Rs. 3.19 crore worth of electronic goods that were being outrightly smuggled into the country.

Mangaluru Air Customs sleuths seized 26.2 kg of gold valued at Rs. 15.73 crore in 61 cases of attempted smuggling. Air Customs sleuths had seized diamonds worth Rs 1.63 crore and 240 e-cigarettes. Bengaluru Air Customs had made wildlife seizures, which include tortoises, kangaroos, snakes and iguanas, coming from South East Asian countries.

"Unfortunate aspect of wildlife smuggling is that these innocent animals are brought in tightly packed containers as passenger baggage and many are dead on arrival," she said. Earlier, Commissioner of Customs, Bengaluru City, Amitesh Bharat Singh highlighted the redesigned Bengaluru Customs page, which was launched on Saturday.

As many as 37 Customs officers from Bengaluru Zone received certificate of appreciation for work in preventing smuggling of gold and wildlife products.

KIOCL Panambur was adjudged as the best exporter, while Volvo Group India and U.R. Satellite Centre were adjudged as best performing importers. Bengaluru International Airport Limited was adjudged as the best custodian.

सीमा शुल्क दिवस - प्रमाण पत्र विजेता

श्री मशूद उर रेहमान फारूकी
अपर आयुक्त, नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्रीमती बिद्यरानी कोनतौजम, अपर आयुक्त
सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय

श्री प्रमोद नायक, उपायुक्त
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री इंद्रजीत पांडा, उपायुक्त
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

सुश्री नम्रता ए.सी.सिंह, उपायुक्त
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

सुश्री डॉ.निमिशांबा सी.पी., उपायुक्त
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री सुनील कुमार, सहायक आयुक्त
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री अरुण कुमार चंद्रवंशी, अधीक्षक
सीमा शुल्क(अपील्स) आयुक्तालय, बेंगलूरु

श्री चंद्र मोहन मीणा, अधीक्षक
मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री अनूप कुमार के., अधीक्षक
मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री राकेश कुमार, अधीक्षक
मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री विपिनजीत पी.वी., कप्तान(सागरीय)
मंगलूरु सीमा शुल्क

सीमा शुल्क दिवस - प्रमाण पत्र विजेता

श्री लूजीमोन एल., अभियंता (सागरीय)
मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री अमित कुमार, अधीक्षक
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री जीवन चंगप्पा, अधीक्षक
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री रितेश कुमार, अधीक्षक
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री संतोश के.एस., अधीक्षक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री एस. उदय कुमार, अधीक्षक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री एम. विनय कुमार, अधीक्षक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्रीमती एस. पुष्पम्मा, अधीक्षक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री डी. जुधिष्ठिर दोरा, निरीक्षक
मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री अखिलराज टी.वी., निरीक्षक
मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री सुनील कुमार, निरीक्षक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री अरुण सोनी, निरीक्षक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

सीमा शुल्क दिवस - प्रमाण पत्र विजेता

श्री पार्थ सारथी डे, निरीक्षक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री भूरा राम, निरीक्षक
सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय

श्री संतोष कुमार, निरीक्षक
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री सुधीर गिरी, निरीक्षक
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री विष्णु टी., सीमैन, मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री कुमार अनुराग सुमन, कार्यकारी सहायक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री अजीत के. जॉर्ज, कर सहायक
मंगलूरु सीमा शुल्क

श्री राहुल कुमार, कर सहायक
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री भवनम राम भूपाल रेड्डी, कर सहायक
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

सुश्री प्रियंका पटवा, आशुलिपिक ग्रेड-I
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

श्री भगवंत राव, ड्राइवर
एयरपोर्ट व एसीसी, बेंगलूरु

श्री गणेश, ड्राइवर,
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

सुश्री एस. सरोजा, हवलदार
नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु

रक्तदान शिविर

अंतर्राष्ट्रीय सीमाशुल्क दिवस, 2024 के सुअवसर पर दक्षिण कन्नड जिले में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ मिलकर रक्त दान कैंप का आयोजन किया गया। उक्त कैंप में लगभग 53 से अधिक अधिकारियों एवं हितधारकों ने रक्तदान किया।

Indian Red Cross Society D.K. Dist.
BLOOD CENTRE
Located in Govt. Lady Goschen Hospital Compound, Mangalore - 575001
Ph: 2410787, 2424788 Email:bbircsdkd@gmail.com

Karl Landsteiner

CERTIFICATE OF APPRECIATION

Jean Henry Dunant

To Mangaluru Customs Commissionerate

Respected M/s,

It gives us great pleasure to thank you for organizing the blood donation camp on 23rd January, 2024 at New Custom House, Panambur

A special thanks to everyone involved in this for their kind deeds and participation in the camp which will help to save several lives. The camp has received blood donations from a total of 53 donors. We sincerely hope & request you to continue your noble act of kindness in the coming days.

Hon. Secretary / Meidcal Officer
IRCS, D.K. District

रण और प्रण

अब ना अश्रु बहाओ प्यारे,
नभ में तारे कितने सारे,
जब टूटे हैं तो क्या रोये हैं,
न सोचा कि कुछ खोये हैं।

क्या हुआ जो रण हम हार गए,
पर बाजी तो हम मार गए,
विजय क्षणिक ही होती है,
मन में किंचित अभिमान के लिए।

मन हार गया तो हार गए,
वरना हम सागर पार गए,
समय ना ये अनुकूल रहा,
मन में यह ही शूल रहा।

ये मोती है अनमोल प्रिये,
भय किंचित भी ही ना हृदय लिए,
फिर उठो शत्रु पर वार करो,
नज़रों से नज़रे चार करो।

विजय सुनीश्चित रहती है,
मन में अपना प्रतिकार के लिए,
भाग्य बदल ही लेते हैं,
सूरमा जुनून सवार लिए।

सुनील कुमार
अधीक्षक, केंद्रीय कर
बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय

सवाल तुमसे भी पूछा जायेगा !!

जब तुम्हें,
मिल जाये फुरसत
वैचारिक विकलांगता के शिकार उन
घोषित बुद्धिजीवियों और उन्मादी प्रवक्ताओं की
तू तू मैं मैं वाली डिबेट से,
श्री श्री श्री स्वंभू राष्ट्रभक्त
वीरांगना दीदी के ट्वीट से,
मुद्दों को भटकाने के लिए
चौसर बिछाये बैठे
नॉटी शकुनि मामा से ,
टटपुँजियो विदूषकों की
गाड़ी का पीछा करने वाले
सत्ता पोषित मदांध उस टीवी चैनल से ।

तब तुम ,
बैठना कुछ देर
शांति से और सोचना
कि कब बेचा तुमने
अपना बुद्धी विवेक,
कब पहना तुमने
हर मुद्दे को सम्प्रदायिक
नजर से देखने वाला चस्मा,
कब ओढी तुमने
अपने कौमी रंग की चादर ,
कब सीखी तुमने
गाली और ट्रोल्स की भाषा
और कब खोया तुमने
अपने नेताओं से
सवाल पूछने का अधिकार,

क्योंकि दोस्त
कुछ सवाल तो
तुमसे भी पूछें जायेंगे
मुझसे भी पूछे जाएंगे ।।

जैसे हमने पूछे है
हमेशा अपने पुरखो से,
कि जब ये सब हो रहा था
तब हम क्या कर रहे थे ?
जब लूटी जा रही थी
दिन के भरे उजाले में
बेटियों की इज्जत ।
और फूंका जा रहा था
उन्हें पेट्रोल डाल
रात के अँधेरे में ।
तो हमने क्या किया था
किया था क्या अट्टहास
दुर्योधन की तरह ?
या दिया था साथ
दुःशासन की तरह ?
बैठे देखते रहे थे
मौन भीष्म, द्रोण की तरह ?
या धिक्कारते हुए पूछे थे
अपने नेता से सवाल
विदुर की तरह ?

कहीं तुमने, फिर से तो
नहीं देखा मौन रहकर
रात के अँधेरे में
व्यस्वस्था और मानवता
अंतिम संस्कार
धर्मराज युधिष्ठिर की तरह ?

या उठायी थी
तुमने मशाल
उतरे थे सड़कों पर
और लड़े थे
अन्याय के लिए
उस बेटी की लिए
कृष्ण की तरह |

जब तुम्हें,
मिल जाये फुरसत
तो सोचना ज़रूर मेरे दोस्त
क्या किया था तुमने ?

क्योंकि,
ये सवाल फिर से पूछा जायेगा ।।

प्रभात मिश्रा
कार्यकारी सहायक
केंद्रीय कर, बेंगलूरु पश्चिम आयुक्तालय

हिंदी दिवस - 2023

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल में आयोजित राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी दिवस/पखवाड़ा समापन समारोह पर एक रिपोर्ट

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसरण में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के कनार्टक में स्थित सभी आयुक्तालयों के लिए दिनांक 05.10.2023 के अपराह्न 03:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। तदुपरांत 04:00 बजे से 05:00 बजे तक हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह संयुक्त रूप से मनाया गया था। केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर एवं सीमा शुल्क, बेंगलुरु अंचल की मुख्य आयुक्त सुश्री वी. उषा एवं विशेष अतिथि डॉ. सविता मिश्रा मागधी द्वारा दीप प्रज्वलन तथा केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु की वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्रीमती पद्मश्री बाबु के प्रार्थना गीता के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय कर, बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय के आयुक्त श्री अरविंद माधवन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। तदुपरांत माननीय गृह मंत्री महोदय का संदेश पठन श्री मशहूद उर रहमान फारूकी, अपर आयुक्त, नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय, बेंगलूरु द्वारा किया गया। राजभाषा सम्मेलन के हिस्से की रूप में सुप्रसिद्ध रचनाकार डॉ. सविता मिश्रा मागधी ने अपना विशेष अतिथि भाषण में हिंदी भाषा का ऐतिहासिक और वर्तमान महत्व एवं राजभाषा हिंदी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राजभाषा सम्मेलन के विविध करोबार के निर्धारिती भी उपस्थत थें।

आगे, हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह के विशेष अंग के रूप में पहले विभागीय अधिकारियों द्वारा 'भूल किसकी' नाटक व 'कविता पाठ' कार्यक्रम का मुख्य बिंदु रहा। तत्पश्चात, केंद्रीय कर, प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय की वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्रीमती पद्मश्री बाबु ने राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत किया। तदुपरांत केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त सुश्री वी. उषा एवं विशेष अतिथि डॉ. सविता मिश्रा के करकमलों से सभी विजेताओं को रोलिंग शील्ड का वितरण किया गया। तत्पश्चात् केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क के प्रधान आयुक्त एवं आयुक्त के करकमलों द्वारा हिंदी प्रतियोगिओं के विजेताओं को प्रमाण पत्रों से नवाज़ा गया।

हिंदी दिवस - 2023

आगे, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त सुश्री वी. उषा जी ने अपने भाषण में राजभाषा उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए सभी अधिकारियों को अपने दैनंदिन कार्यालयीन कार्य में अत्यधिक प्रयोग के लिए सभी प्रकार के प्रयास करने बताईं। फिर, अध्यक्षीय भाषण में केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर जी ने उपस्थित दर्शकगण को आशीर्वाद देते हुए नाटक उत्कृष्ट कोटी के बारे में बताएं तथा हिंदी साहित्य के इतिहास के बारे में प्रकाश डाले तथा राजभाषा हिंदी को अपनाने हेतु कहा।
श्री प्रवीण टी. बिदरी, सहायक आयुक्त, केंद्रीय कर, दक्षिण आयुक्तालय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंच का संचालन केंद्रीय कर, प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई. सुब्रह्मण्यम द्वारा किया गया।

हिंदी दिवस

भारत के अनमोल रतन

धन्य है हमारा वतन,
जहां पैदा हुए एक रतन।
स्वनाम धन्य था जिनका काम,
रतन टाटा पड़ा उनका नाम।

1991-2012 तक आप थे टाटा ग्रुप के प्रमुख,
इस कालावधि में आई अनेक चुनौती आपके सम्मुख।
सभी कठिनाइयों को आपने पार किया,
टाटा ग्रुप का योजनाबद्ध विस्तार किया।
जो भी आपसे मिला, सबको सम्मान दिया,
टाटा को वैश्विक पहचान दिया।
स्कूटर पर होकर सवार,
बारिश में भींगता एक परिवार,
इसे देखकर आपका हृदय द्रवित हुआ,
वहीं से नैनो कर बनाने का विचार आपमें अंकुरित हुआ।
धन और ऐश्वर्य के संगम से जहां आम व्यक्ति का होता है पतन,
वहीं आपने सदैव रखा अपने मूल्यों का बड़ा जतन।
पद्मभूषण और पद्मविभूषण जैसे पुरस्कारों से,
आपका व्यक्तित्व हुआ अलंकृत,
यूं प्रतीत होता है मानो पुरस्कार भी
आपके समागम से हुआ चमत्कृत।
यूं तो 9 अक्तूबर, 2024 को हुआ रतन टाटा का परलोक गमन,
लेकिन आने वाली पीढ़ियाँ सदैव करेंगी इस अमर महापुरुष को नमन।

मित्रेश्वर झा 'सहिष्णु'
अधीक्षक, केंद्रीय कर
बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय

दो बटन के बीच से विश्व (इस महाकाय की लेटेस्ट स्टोरी)

वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु

इन दिनों दो *बटन* के बीच में से पेट विश्व को देखने लगा है. . . . .
शरीर कहता है रहने दे, पर मन समोसा, *मैगी, फ्रेंच फ्राइस* को
गले की गली में जाने के बाद ही *साइलेंट* होता है।
व्यायाम बहुत होता है, सुबह शाम को *वाकिंग* होता है,
परंतु मुँह कभी *रेस्ट* करने का नाम ही नहीं लेता है।
क्या करें नाक जो मज़ेदार चीज़ों को *स्मेल* करके चुप्प नहीं रहती है,
तो वह जीभ को *ट्राई* करने के लिए इंगित कर देती है।
जल्दी खाना खाकर *स्लीप* करने के लिए शरीर कहता है,
परंतु सोने से पहले मन नमकीन की ओर ध्यानाकर्षित *ऑटोमैटिक* ही हो जाता है।
दुकान में नमकीन खत्म हो सकता है परंतु घर के *शेल्फ* में कभी नहीं होता है।
और तो और दुकाने रास्ते में नहीं रहती हैं तो क्या होता है,
चलता फिरता दुकान पॉकेट में *ऐप एनीटाइम* जो हमेशा *ओपेन* रहता है।
हमेशा शरीर बेकसूर ही रह जाता है, इसे आत्मा परमात्मा *एक्सेट्रा* से कोई मतलब नहीं होता है।
मन तो कभी भी आत्मा को अंतरात्मा से *मीटिंग* नहीं कराता है।
जब कभी *क्लीनिक* में डॉक्टर से मिले तो *स्वीट* नहीं खाने की ही हिदायत मिलती है,
अस्सी नब्बे *मिनट* तो मन कुछ नहीं कहता है, चुप्प रहता है,
तत्पश्चात् एक मिनट में गुड़ ही सही *गूड* लगता है,
एक *पीस* गले के नीचे जाते ही हम और मन दोनों भी *हैपी* हो जाते हैं।
ऐप खाने के लिए बहुत *वैराइटी* की सूची तो रखती है,
परंतु अस्पताल में शायद डॉक्टर को *सैलरी व पर्कस हेवी* ही होती है।
हॉं मन को *कन्ट्रोल* करने के बारे में, यह है इस पेट की *स्टोरी*
बुरा लगा तो *सॉरी* अच्छा लगने से दिल खोलके बजाना ताली।

जिंदगी खूबसूरत है, इसे जीना सीखिए

ईश्वर की इस दी हुई जिंदगी को हर इंसान को जीना है। पर जब जीना ही है तो दुखी होकर क्यो रहना है। हर कोई किसी न किसी परेशानी से लड़ रहा है। अगर चुनौतियाँ न हो तो फिर जिंदगी ही क्या। इसलिए जीवन में आने वाली परेशानी या चुनौतियों से बिना डरे खुश होकर आगे बढ़ना है।

अक्सर लोग पूरी जिंदगी जमीन, घर, सोना और ढेर सारी भौतिक सुविधाओ के पीछे भागते रहते हैं। परंतु इन सुविधाओ को हासिल करने के लिए पल पल की जीवन की खुशियों का त्याग कर देते हैं। जैसे बूंद बूंद से समुंद्र बनता है ठीक वैसे ही हर पल, हर क्षण ही हमारा जीवन बनाता है। जीवन अगर जीना है तो हर क्षण और हर पल को संवारना सीखो। अपनी खुशी को किसी और का मौताज न बनने दो। खुशी किसी भी बाजार में उपलब्ध नहीं है। ये सिर्फ इंसान के अंदर की भावना है। किसी भी हालात और समस्या को देखने के दो पहलू होते हैं। उदाहरण के तौर पर किसी व्यक्ति ने कहा उसके पास छोटा घर है जिसमें सिर्फ दो कमरे हैं और काफी मुश्किल होती है। मेरा कहना है की उस इंसान के पास कम से कम अपना घर तो है और उसे इस बात से खुश होना चाहिए क्योंकि भारत जैसे देश मे कितने लोग है जिनके पास रहने के लिए घर तक नहीं होता है। इसी संदर्भ में एक और बात बताती हूं। एक व्यक्ति ने बताया की मेरी बेटी का मेडिकल में दाखिला नहीं हो पाया, पूरे तीन साल की तैयारी के बाद भी बेटी को सीट नहीं मिली। मैं फ़िर से यही कहूँगी की उसकी बेटी ने तीन साल कम से कम मेहनत करके कोशिश की है और डॉक्टर नहीं बनी तो क्या जिंदगी में कुछ न कुछ तो हासिल कर ही लेगी।

पहला नजरिया या पहला पहलू आपको सकारात्मक सोच की ओर ले जाता है और जिंदगी में खुश रहने की वजह देता है। दूसरा नजरिया या दूसरा पहलू आपको नकारात्मक सोच देकर दुखी करता है। इसलिए चुनाव आपका है की आपको जिंदगी कैसे बितानी है। जिंदगी बहुत खूबसूरत है बस इसे जीना सीखिए।

रेखा गुप्ता,
अधीक्षक, केंद्रीय कर
बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय

जीएसटी दिवस 2024

केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल द्वारा दिनांक 01-07-2024 के सायं 04:30 बजे कॉवेरी हॉल, केंद्रीय राजस्व भवन, क्वीन्स रोड, बेंगलूरु में जी.एस.टी. दिवस 2024 को धूमधाम से मनाया गया। उच्च न्यायालय, कनार्टक के माननीय न्यायाधीश श्री कृष्ण दीक्षित ने मुख्य अतिथि का भार वहन किया। आयकर विभाग, कर्नाटक और गोवा क्षेत्र के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त श्री शैली जिंदल एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त श्रीमती आरती अग्रवाल श्रीनिवास विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। केंद्रीय कर, कर्नाटक अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्य का शुभारंभ किया। केंद्रीय कर कर्नाटक अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर ने अपने परिचयात्मक टिप्पणी व अध्यक्षीय भाषण में जीएसटी दिवस का आरंभ से लेकर ७वें जीएसटी दिवस वर्ष गाँठ तक का घटनाक्रम और जीएसटी संग्रहण के बारे में बहुत विस्तृत रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए। फिर, जीएसटी कर्नाटक पर एक वीडियो दर्शाया गया। तदुपरांत आयकर विभाग, कर्नाटक और गोवा क्षेत्र के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त श्री शैली जिंदल ने अपने विशेष अतिथि भाषण में जीएसटी के बाद जो निर्धारितियों को प्राप्त स्वतंत्रता और सुविधा के बारे में बताया। फिर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं उच्च न्यायालय, कनार्टक के माननीय न्यायाधीश श्री कृष्ण दीक्षित ने अपना संबोधन किया। तत्पश्चात् अपने विशिष्ट भाषण में सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त श्रीमती आरती अग्रवाल श्रीनिवास ने जीएसटी अमल होने के बाद सीमा शुल्क द्वारा प्रथम कर संग्रहण के बारे में उपस्थित सभी दर्शकगण को अवगत कराया। उसके पश्चात् विभागीय अधिकारियों को प्रशंसा पत्रों से नवाज़ा गया। फिर, कुमारी भूमिका होण्णली द्वारा भारतनाट्यम का प्रदर्शन हुआ। तदुपरांत केंद्रीय कर, बेंगलूरु पूर्व आयुक्तालय के आयुक्त श्री एन.जे. कुमरेश ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय की अधीक्षक श्रीमती वी. सरला ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सुश्री अक्षता श्रीनिवास, उपायुक्त

श्री संतोश कुमार के.जी., सहायक आयुक्त

श्रीमती हेमजा सुकुमार, मुख्य लेखा अधिकारी

श्री मुरली काणिपाकम, अधीक्षक

श्री आर. श्रीनिवासन, अधीक्षक

श्री शिव गोपाल चौरासिया, अधीक्षक

श्री वाई. सुब्रह्मण्यम, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

श्रीमती प्रेमा, कर सहायक

श्री मुनियप्पा, हेड हवलदार

जीएसटी दिवस पर उपस्थित दर्शकगण

पल भर की कविता

अभिषेक गैरोला
कार्यकारी सहायक
केंद्रीय कर लेखापरीक्षा II आयुक्तालय
बेंगलूरु

कबूतर खड़ी है छज्जे पे कहीं,
चुपचाप, शांत, ख़ामोश अभी,
न गुटरगूँ, न मटर-गटर,
सीधी... देख रही है दूर कहीं,
समझ नहीं आता है पर कहाँ कहीं,
क्यूँ की सामने हैं घनेरे पेड़ कई,
क़लम निकाल के लिख तो लूँ ज़रा
इसकी यह दुविधा ही सही,
कम्बख़्त कॉपी ले कर झट से आया जब,
फट से उड़ चली गगन में,
फड़फड़ाती, सरसराती, ससुरी,
अब ख़ाली लव्ज़ हें जो एक याद पे निर्भर हैं,
नतीजों से परे ये पल भर की कविता यही।

सफ़ेद रंग

बहुत साल पहले
जब तुमने ये सवाल पूछा था ,
अगर मै रंग होता तो क्या होता ?
तब इसके सही मायने नहीं समझा था मै।
लेकिन,
अब सोच समझकर कह रहा हूं
अगर मैं रंग होता, तो सफेद रंग होता ।

तुम्हारा जो भी रंग होता उसमें
कितनी आसानी से मिल सकता था मैं,
और तकनीकी दृष्टि से
मैं वैसे ही कोई कोई रंग नहीं होता
लेकिन,
प्रकाश के सभी रंगों का
संयोजी मिश्रण जरूर होता।

उजला सा सत्य,
शांति का प्रतीक ,
ब्रह्मा का प्रियतम होता,
पारदर्शिता और कोमलता का प्रतिबिंब होता ।
फिर क्या कह कर इनकार करती तुम
कि, तुम्हे इन्द्रधनुष पसंद है ।

तुम्हरे जवाब के इंतजार में
मैं फिर से लिख रहा हूं,
अगर मैं रंग होता, तो सफेद रंग होता ।

रितु राज रंजन
कार्यकारी सहायक
केंद्रीय कर, बेंगलूरु पश्चिम
आयुक्तालय, बैंगलोर

समझ से परे

समझ से परे है एक ऐसी दुनिया,
सुनाई देती हैं जहां,
अरुण करुण रुदन में भी,
हास परिहास की बात,
समझ से परे है एक ऐसी दुनिया

जन्म से मरण तक की यात्रा में,
आते हैं कई पड़ाव जहां,
प्रति-पर्व सह उन्माद मनाते हैं,
बनाते हैं अलिखित इतिहास नया,
कलह कलरव ,वाद-विवाद में भी
सुनाई देती है गीत -गायन आवाज़ की बात,
हास परिहास की बात,
समझ से परे है एक ऐसी दुनिया

समय-प्रवाह के मध्य
माध्यम बने अनेक बंधन,
मद मदमस्त मंद जीवन-धारा के अनुरुप
अलग अंदाज अलग प्रेम संचरण
रुचिकर प्रमेय में भी,
सुनाई देती है जीत हार की बात,
समझ से परे है एक ऐसी दुनिया
अरुण करुण रुदन में भी,
हास परिहास की बात,
समझ से परे है एक ऐसी दुनिया

जब मैं जीवन से जुड़े अधिनियम और
उसमें बने नियमों के तहत
अपने अन्तर्मन का आँकलन करता हूँ,
मूल्यांकन करता हूं
अपने अस्तित्व के लिए
और फिर समीक्षा के बाद
अपील दायर करने का मिलता नहीं है मौका
सुनाई देती है यहाँ भी विकार स्वीकार में भी
जीत हार की बात,
समझ से परे है एक ऐसी दुनिया,

उलझ जाता हूँ किसी जीवन नियम के तहत
एक नई ऊर्जा-संचार की तलाश में,
रह रहकर सामने उत्पन्न होता एक दृष्टि-भ्रम
पल-पल में बदलती मृग- तृष्णा
प्रतिपल प्रतिफल एक नई मरीचिका
सफल सकल सा सही आँकलन पर
संघर्ष का सही आधार लिए बिना
पंख लिये लेता हूं एक ऊंची उड़ान
सुनाई देती है यहाँ भी विराग अनुराग में भी
जीवन जीत या हार की बात,

समझ से परे है एक ऐसी दुनिया,
सुनाई देती हैं जहां,
अरुण करुण रुदन में भी,
हास परिहास की बात,
समझ से परे है एक ऐसी दुनिया

अरुण कुमार चंद्रवंशी
अधीक्षक, सीमा शुल्क
अपील आयुक्तालय, बेंगलूरु

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024

प्रति वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह सीआर भवन में सी.जी.एस.टी एवं सीमा शुल्क और आयकर विभाग द्वारा संयुक्त रूप से मनाया जाता है, जहां अन्य कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। इस वर्ष भी 26 जनवरी 2024 को श्री. रूपम कपूर, प्रधान मुख्य आयुक्त (बे.अं) मुख्य अतिथि थे और परेड मार्चिंग बैंड (सेक्रेड हार्ट बॉयज़ स्कूल, बेंगलूरु द्वारा प्रदर्शित) सहित सम्मानाभिवादन और वर्दीधारी अधिकारी की परेड के तुरंत पश्चात झंडा फहराया गया। समारोह के दौरान, परेड के प्रतिभागी को सर्वोत्तम उपस्थिति के प्रति सराहना करते हुए स्मृति चिन्ह (मेमेंटो) भेंट किए गए।

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024

दिनांक 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस समारोह सी.जी.एस.टी एवं सीमा शुल्क तथा आयकर विभागों द्वारा संयुक्त रूप से मनाया गया। इस अवसर पर श्री शैली जिंदल, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, आयकर विभाग, कर्नाटका एवं गोवा क्षेत्र द्वारा राष्ट्र ध्वजारोहण किया गया। सीजीएसटी, सीमा शुल्क व आयकर तीनों विभागों के अधिकारी उपस्थित थें।

बंटवारा

बट गया आँगन दो हिस्सों में
माँ की ममता न बट पाई
नीम बन गया दीवार का हिस्सा
पर उसकी छाँव न बट पाई।

बट गए बर्तन, बिस्तर, चौका
जब जब मिला बहुओं को मौका
बेटें भी खामोश रहें उस दिन
ये था उस परवरिश को धोखा।

दो रोटी उसकी एक जगह की
एक-एक रोटी दो जगह की हो गई।
जिस दिन नसीब न हुई सब्जी
रोटी आँसुओं से नमकीन हो गई।

चाँदी के गहने अब सोने के हो गए
पर माँ के दो अनमोल रत्न खो गए।
कैसे करेंगे झुककर माँ का चरण स्पर्श
दोनों दो गज के मालिक जो हो गए।

बाप था तो चूँ तक न निकली
आज आँगन में लाठियां भी चली।
बेटों ने कैसे बांट दिया इस घर को
यहाँ तो घर की बेटियां भी पली।

आँसू इतने बहें उसकी आँखों से
आँसू के सारे दाग धूल गए।
दरवाजें बंद थें जो बदकिस्मती के
वो सारे एकाएक खुल गए।

बुढापा है तो बेशक लाचारी है
कल की राजकुमारी आज बेचारी है।
सामने थाली में परोसे सुख पर
रचयिता का दिया हालात भारी है।

कुमार सचिन
निरीक्षक, मंगलूरु हवाई अड्डा
मंगलोर सीमा शुल्क

माँ

धूप में छाँव सी,
समन्दर में नाव सी...
है, मेरी माँ।

पानी में प्यास सी,
कोशिशों में आस सी...
है, मेरी माँ।

जुगनू में चमक सी,
फूलों में महक सी...
है, मेरी माँ।

थक जाते हैं सब,
बस नहीं थकती कभी मेरी माँ।
दूर हो जाते हैं सब,
बस दिल में रहती है, मेरी।

कुनाल कपानिया
कर सहायक
केंद्रीय कर लेखापरीक्षा II आयुक्तालय

कर्म कर

कोशिश कर, हल निकलेगा
आज नहीं तो, कल निकलेगा....
अर्जुन के तीर सा सध
मरुस्थल से भी जल निकलेगा....

मेहनत कर, पौधों को पानी दे
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा....
जिन्दा रख, दिल में उम्मीदों को
गरल के समंदर से भी गंगाजल निकलेगा....

आकांक्षा शर्मा
कार्यकारी सहायक, केंद्रीय कर
बेंगलूरु पश्चिम आयुक्तालय, बेंगलूरु

'जाने दो मुझे'

मैं तुम्हे फिर मिलूँगा, अभी जाने दो मुझे,
मुझे तडपन है गुमनाम होने का, खो जाने दो मुझे।
सबकी नजरें चुभती है मुझको, छुप जाने दो मुझे,
इस भीड भाड में हूँ मैं तनहा, खुद के साथ तनहाई मिटाने दो मुझे।
मैं तुमको फिर मिलूँगा, अभी जाने दो मुझे।

सुंदर बगीचा जिसमें फूल खिले हैं,
मधुर स्वर का जहाँ पर गीत चले हैं,
जहाँ कोई भी भीड नहीं है,
वहाँ चले जाने दो मुझे।

मधुरंजन राय
कार्यकारी सहायक
सीमा शुल्क अपील्स आयुक्तालय,
बेंगलूरु

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

एक बुरे आचरण भ्रष्टाचार की शुरूआत होती है जो कि व्यक्ति को निरन्तर इस ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भ्रष्टाचार से आशय अनैतिक, अनुचित या भ्रष्ट आचरण से है। नीति-नियम विरुद्ध कार्य-व्यवहार करना भ्रष्टाचार (corruption) कहलाता है। अनैतिक रूप से कमाया हुआ धन, शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक शोषण, ये सभी भ्रष्टाचार को प्रदर्शित करते हैं। हमारे देश भारत में पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों को देखें तो तो कहा जा सकता है कि भ्रष्टाचार हमारे देश की लाइलाज समस्या बन गई है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' द्वारा जारी 'भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023 की मानें तो पिछले एक दशक में अधिकांश देशों में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण की स्थिति या तो काफी हद तक स्थिर या खराब रही है। भारत ने भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023 में 40 अंक प्राप्त किए। भ्रष्टाचार सत्ता या बड़े प्रशासनिक पदों पर बैठे लोगों द्वारा किया गया अशिष्ट और असंवैधानिक व्यवहार है।

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) एक वार्षिक समारोह है जो कि सम्माननीय सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्हें उनकी अटूट अखंडता के लिए जाना जाता है, के जन्म दिवस के अवसर पर आता है. केंद्रीय सतर्कता आयोग भारत सरकार के नवीन भारत के दृष्टिकोण के अनुसार, देश के अग्रणी अखंडता प्राधिकरण के तौर पर सार्वजनिक प्रशासन में अखंडता, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार की पहल करता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन आयोग के बहुआयामी दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण घटक है. इसकी प्राथमिकता कार्यनीतियों में भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष में सभी हितधारकों द्वारा सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना, भ्रष्टाचार के अस्तित्व, इसके कारणों, महत्व और बढ़ते खतरे के बारे में आम लोगों की जागरूकता में वृद्धि लाना है। इसी क्रम में माननीय श्री अमितेश भरत सिंह, आयुक्त, नगर सीमा शुल्क, बैंगलोर के निर्देशन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 का आयोजन दिनांक 30.10.2023 से 05.11.2023 तक किया गया। इस वर्ष के आयोजन का विषय "भ्रष्टाचार को न कहें-राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध हों" रहा। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार सप्ताह की शुरुआत भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यापार जगत के सदस्यों द्वारा शपथ के साथ हुई। इसके उपरांत, भ्रष्टाचार की बुराइयों के बारे में अधिकारियों और कर्मचारियों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें अधिक जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताएं, सेमिनार और नाटक आदि आयोजित किए गए।

इसी कड़ी में 01. 11. 2023 को नगर सीमा शुल्क, बैंगलोर के मुख्य भवन में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध का शीर्षक था "भ्रष्टाचार को न कहें - राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध बनें" और यह हिंदी, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कर्मचारी वर्ग में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में श्री चंदन कुमार मिश्रा, निरीक्षक ने प्रथम, कुमारी शालू गौर, कर सहायक ने दूसरा और श्री मंजूनाथ, कार्यकारी सहायक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

श्री अमितेश भारत सिंह, आयुक्त, नगर सीमा शुल्क , श्री मशहूद उर रेहमान फारूकी, अपर आयुक्त, नगर सीमा शुल्क और श्री मति कविता पोडवाल, सहायक आयुक्त, नगर सीमा शुल्क के मार्गदर्शन में दिनांक 02.11.2023 को नवनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आचरण नियम, 1964 से परिचित कराने के उद्देश्य से एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया, जिसका विषय था "आचरण नियमों की मूल बातें जो एक सरकारी अधिकारी को जानना आवश्यक है"। इस सेमिनार की अध्यक्षता श्री जी रामचंद्र नायडू, अधीक्षक (सतर्कता) और श्री अरुण सोनी, निरीक्षक (सतर्कता) ने की। सतर्कता के दृष्टिकोण से, प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया ज्ञान कर्मचारियों के लिए उनके लंबे करियर में बहुत उपयोगी होगा ।

इस श्रृंखला में, 03-11-2023 को सतर्कता महानिदेशालय, हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई द्वारा सतर्कता मामले से संबंधित एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इसके अलावा, भ्रष्टाचार की विषाक्तता के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए कब्बन पार्क, बैंगलोर में एक वॉकथान का आयोजन किया गया। सीमा शुल्क ज़ोन, बैंगलोर के बैनर तले, नगर सीमा शुल्क के आयुक्त कार्यालय, बैंगलोर से कब्बन पार्क तक एक वॉक का आयोजन किया गया। भ्रष्टाचार के खिलाफ़ जागरूकता फैलाने वाले पुस्तिका लोगों के बीच बांटी गई। नगर सीमा शुल्क, बैंगलोर और एयरपोर्ट एवं एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स द्वारा संयुक्त रूप से एक नाटक का मंचन सीमा शुल्क मुख्यालय के मुख्य भवन में 06-11-2023 को किया गया जिसने भ्रष्टाचार में व्यापत कुरीतियों को सजीव ही दर्शको के सामने प्रस्तुत कर दिया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य भ्रष्टाचार के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना और इसका मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। इसी लक्ष्य को केंद्र में रखकर ऊपर वर्णित सभी गतिविधियों का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया।

तस्वीर

तस्वीर लेना भी जरुरी हैं, जिंदगी में,
क्योंकि आईने गुजरा हुआ कल बताया नही करते।
हालात कैसी भी हो जिन्दगी में,
ये मुरझाया नही करते।

जिन्दगी की परेशानियों में जब हम उलझ जाते हैं,
और हमारे अपने भी जब हमसे दूर हो जाते हैं,
तस्वीर देख कर अपने पुराने यादों की,
हम फिर से रंगीन हो जाते हैं।

आज के इस दौड़ती- भागती दुनिया में,
जहाँ वक्त नही है किसी से मिलने की,
अगर मिल जाए एक तस्वीर पुरानी,
वजह काफ़ी है रूह को खिलने की।

एक वक्त ऐसा भी होता है,
जब पास कोई भी न होता है।
माँ-बाप की हो या प्रेमी प्रेमिका की,
एक तस्वीर ही सहारा होता है।

जब पूछते है हम अपने वालिद से,
आप दिखते कैसे थे बचपन में,
देख के उनकी तस्वीर पुरानी,
मन प्रफुल्लित हो जाता है।

तस्वीर लेना भी जरुरी हैं, जिंदगी में,
क्योंकि आईने गुजरा हुआ कल बताया नही करते।

नितेश कुमार गुप्ता
निरीक्षक
नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय
बेंगलूरु

माँ का किरदार

आज एक विज्ञापन देखा। पहले भी कई बार देखा था। प्रेगा न्यूज़का स्यांतानी घोष वाला विज्ञापन। दिल को छू लेने वाला। स्त्री की आत्मनिर्भरता और मातृत्व को उसकी शक्ति को स्थापित करती एक मासूम तथा सशक्त कहानी जिसमे साधारण एवं घरेलू दिखने वाली एक मां जिसका कुछ 'आधुनिक ' जैसी दिखने वाली स्त्रियां कमजोर आंकलन करती हैं। अंत में वह आई पी एस अधिकारी के रूप में अपनी पहचान जाहिर कर सबको आश्चर्य चकित करती है। स्यांतनी घोष ने अति सुंदर अभिनय से अपने किरदार में जान डाली है। समाज में स्त्री अस्तित्व को गौरवान्वित किया है। एक मां होने को सबसे ऊपर सबसे खूबसूरत दिखा कर।

पर मेरे मन में जो प्रश्न विज्ञापन देखकर उठा वो यह की विज्ञापन के अंत में उसे सैल्यूट करने वाली महिला न आती उसकी आई पी एस की पहचान न पता चलती तो क्या सिर्फ एक मां के रूप में समाज को उसका योगदान कम आंकलित होना चाहिए?

मां क्या है?

समाज की संरचना सबसे महत्व पूर्ण ईकाई। पूरे समाज को गढ़ने वाला सांचा है। उसे भीतर से मन से अंतरात्मा से सशक्त होना चाहिए। वह है भी। बस समझी नहीं जाती।

स्त्री जन्म से लेकर मरण तक अपने हर किरदार में समर्थ है। लेकिन सबसे ज्यादा मां के रूप में। वही है जो जन्म दे सकती है। उसे ही सृष्टि के सबसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए चुना गया है। तो क्या उसके इसी कार्य के लिए उसे उतना सम्मान न दिया जाना चाहिए जितना किसी अति महत्व पूर्ण कार्य के लिए समाज के किसी विशिष्ट व्यक्ति को दिया जाता है। समाज निर्माण की सबसे पहली इकाई है स्त्री , तो क्यों वह केवल मां होकर प्रतिष्ठित सम्मानित न हो।

पैसा और पद प्राप्त व्यक्ति (नारी हो या पुरुष) को समाज में प्रतिष्ठा देना गलत नही है लेकिन परिवार निर्माण की प्रथम इकाई को उचित सम्मान न प्राप्त होना सर्वथा गलत है। हम सब अपनी अपनी मां का व्यक्तित्व अपने परिवार में याद करें , उसके उस किरदार के बिना परिवार की तथा संसार की कल्पना भी कर पाना कठिन है। मैं स्त्री के किसी और किरदार में होने की विरोधी नहीं हूं। बहुत बड़ी समर्थक हूं। अपने हर किरदार में वह उतनी ही मनुष्य है जितना पुरुष। उसे हर क्षेत्र में उतना ही सक्रिय होना चाहिए जितना किसी मनुष्य को। इसलिए यहां यह बिल्कुल न समझा जाए की स्त्री जब आई पी एस है तब वह कम प्रवीण है। वहां वह अलग किरदार में है।वहां उसकी प्रवीणता उसकी कार्य कुशलता उसके व्यक्तित्व से निर्धारित होगी। समझा यह जाना जरूरी है की मां एक अलग किरदार है, और उस किरदार का महत्व किसी और किरदार से अधिक ही महत्वपूर्ण है और रहेगा।

मेरा कहना बस इतना है की जब वह मां है तब चाहे वह किसी भी और किरदार में हो वह सबसे ज्यादा महान है। आई पी एस हो या सफाई कर्मचारी दोनो की मां के रूप में महानता में कोई फर्क नहीं। मां होने के ऊपर और कुछ भी नहीं। क्योंकि मां के रूप में वह संभावना को गढ़ती है। महान पीढ़ी की संभावना। मां के रूप में वह जिस आई ए एस को पैदा करती है उसके अच्छा मनुष्य होने की संभावना को भी सुनिश्चित करती है। इस दुनिया की हर मां को, चाहे वह किसी भी स्थिति देश काल में हो, प्रतिष्ठित समझा जाना चाहिए। जैसे किसी मनुष्य को बड़ा अधिकारी होने, किसी महत्वपूर्ण पद पर होने पर समझा जाता है। ऐसी सोच समाज को सहिष्णु और प्रेमपूर्ण बनाएगी। असहिष्णु प्रतिस्पर्धा को कम कर संतुलन लाएगी। अगर हम ऐसा सोच पाने में समर्थ हुए तो स्त्री अपने हर किरदार के साथ न्याय कर पाएगी। वह मां के रूप में सम्मानित होकर अपने किसी और किरदार से ग्लानि या कुंठा में नहीं जाएगी बल्कि उन किरदारों में और निष्ठा एवं प्रेम भर पाएगी।

आई पी एस सीमा रस्तोगी तब बच्ची की मां के रूप में भी लोगो से उतना ही सम्मान पाएगी जितना किसी जटिल केस को सॉल्व करके। तब मेरा समाज किसी और किरदार में कार्य कुशल स्त्री का परिप्रेक्ष (मां के रूप में)भूल नही जायेगा या उसे उपेक्षित नही करेगा। मेरा समाज तब महान बनेगा जब वह मां को सिर्फ मां के रूप में सम्मान देना सीख जायेगा।

प्रभा
कार्यकारी सहायक
केंद्रीय कर लेखापरीक्षा-I
आयुक्तालय, बेंगलूरु

सीमा शुल्क उपलब्धियाँ

बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल का क्षेत्राधिकार कर्नाटक राज्य के आई.सी.डी., हवाई अड्डों सहित सीमा शुल्क बंदरगाहों पर है। तीन कार्यकारी आयुक्तालय हैं, हवाई अड्डा और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स आयुक्तालय, बेंगलूरु; नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय, बेंगलूरु; मंगलूरु सीमा शुल्क आयुक्तालय और एक सीमा शुल्क अपील आयुक्तालय। विभिन्न हवाई अड्डों, बंदरगाहों, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, अंतर्राष्ट्रीय कूरियर टर्मिनल और विदेशी डाकघर, बेंगलूरु में यात्रियों, कार्गो, डाक और कूरियर पार्सल के सीमा शुल्क निकासी से संबंधित कार्यों को देखने के अलावा आयुक्तालयों को सौंपे गए निवारक कार्यों को करने के लिए अधिकारीगण जिम्मेदार हैं। नगर सीमा शुल्क और मंगलूरु सीमा शुल्क अपने-अपने क्षेत्राधिकार में तस्करी के सामान की आवाजाही पर नजर रखते हैं। मंगलूरु सीमा शुल्क अरब सागर के तट पर समुद्र और सड़क गश्त के लिए जिम्मेदार है, जो लगभग 320 किलोमीटर लंबा है।

<u>नशा मुक्ति अभियान</u>

नशा मुक्ति अभियान के एक हिस्से के रूप में, बेंगलुरु सिटी कस्टम्स और डीआरआई की ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने डीआरआई द्वारा जब्त की गई 13.12 किलोग्राम कोकैन, 2.4 किलोग्राम गांजा और 2.4 किलोग्राम अन्य एनडीपीएस दवाओं को नष्ट कर दिया। 25.01.2024 को एयरपोर्ट और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स, बेंगलुरु ने 1.19 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मूल की तस्करी की गई लगभग 7 लाख सिगरेट की छड़ें नष्ट कर दीं, जिन्हें सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत जब्त कर लिया गया था। जब्त किए गए माल के कुशल प्रबंधन और निपटान को सुनिश्चित करने के लिए विनाश किया गया था। लोक कल्याण और राष्ट्र की भलाई को बढ़ाने की दिशा में एक दृष्टिकोण।

केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जब्ती :

हाल ही में, वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 और CITES के उल्लंघन के लिए वन्य जीवन तस्करी का मामला दर्ज किया गया था। सीमा शुल्क अधिकारियों ने फ्लाइट नंबर एफडी-137 से बैंकॉक से आए एक यात्री को पकड़ लिया। यात्री ने अपने चेक-इन ट्रॉली बैगेज में छिपाकर वन्यजीव जानवरों (10 पीले एनाकोंडा सांप, 3 सांप मरे हुए थे) की तस्करी करने का प्रयास किया। 19.07.2024 को, बेंगलूरु एयर कस्टम्स ने बैंकॉक से आने वाले एक व्यक्ति से गोल्ड फ्लेक सिगरेट (52,000 स्टिक) के 260 पैकेट जब्त किए, जो एक बैकपैक, कार्टन बक्से और एक ट्रॉली बैग में छुपाए गए थे। 18.07.2024 को, मंगलूरु एयर कस्टम्स ने फ्लाइट IX 384 से दुबई से आने वाले एक व्यक्ति से गोल्ड फ्लेक हनी ड्यू सिगरेट के 250 पैकेट (50,000 स्टिक) और 8 पैकेट ई-सिगरेट (80 ई-सिगरेट) जब्त किए।

विरासत का संरक्षण: सांस्कृतिक कलाकृतियों की सुरक्षा करना।

भारतीय सीमा शुल्क सांस्कृतिक और विरासत कलाकृतियों के आयात और निर्यात से संबंधित नियमों को लागू करके देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की सुरक्षा में योगदान देता है। वे सांस्कृतिक विरासत के टुकड़ों के अवैध व्यापार का सक्रिय रूप से मुकाबला करते हैं और चोरी या तस्करी की गई कलाकृतियों को वापस लाने के लिए संबंधित संगठनों के साथ सहयोग करते हैं। बेंगलूरु सीमा शुल्क ने दो कलाकृतियों को जब्त कर लिया है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, एएसआई को सौंप दिया है।

भगवान विष्णु कांस्य (पेरुमाल): इस मूर्ति को भारत से बाहर निर्यात करने का प्रयास किया गया था और मार्च 2022 में इसे जब्त कर लिया गया था। मूर्ति को माननीय वित्त मंत्री द्वारा नई दिल्ली में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक को सौंप दिया गया है।

भगवान विष्णु/सूर्य (पेरुमाल): मूर्ति को जापान में निर्यात करने का प्रयास किया गया और जब्त कर लिया गया। प्रतिमा को माननीय वित्त मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में बेंगलुरु सीमा शुल्क क्षेत्र द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को सौंप दिया गया है।

तस्करी विरोधी:

तस्करी विरोधी मोर्चे पर, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलूरु में, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, तस्करी का प्रयास किया गया 78 करोड़ रुपये का 129.02 किलोग्राम सोना केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जब्त किया गया था। चालू वर्ष 2024-25 के दौरान जुलाई 2024 तक बेंगलूरु एयर कस्टम्स द्वारा कुल 124 मामले दर्ज किए गए और 34 करोड़ रुपये मूल्य का 49.31 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। जुलाई-2024 तक मंगलूरु सीमा शुल्क ने 17 मामले दर्ज किए हैं और 5.67 करोड़ रुपये मूल्य का 7.9 किलोग्राम सोना जब्त किया है।

राजस्व:

वर्ष 2023-24 के लिए राजस्व 30168 करोड़ रुपये था। चालू वित्तीय वर्ष के लिए जुलाई-2024 तक राजस्व 11419 करोड़ रुपये है जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इसी महीने के लिए 20% अधिक है।

केम्पेगौड़ा के टर्मिनल-2 पर अंतर्राष्ट्रीय परिचालन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण सितंबर 2023 से शुरू हो गया है। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, बेंगलूरु देश के महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक होने के नाते, सीमा शुल्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इस हवाई अड्डे से आने और जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए वर्तमान वर्ष के दौरान जुलाई-2024 तक 9.02 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री यहां पहुंचे हैं और 8.86 लाख यात्री हवाई अड्डे से प्रस्थान हुए हैं। इस अंचल में सबसे बड़ा हवाई अड्डा मंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जहां 0.89 लाख यात्रियों का आगमन दर्ज किया गया है। वर्तमान वर्ष की जुलाई-2024 तक की अवधि के दौरान 0.95लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों का प्रस्थान हुआ है। इनमें से लगभग 98-99% यात्रियों को ग्रीन चैनल के माध्यम से सुविधा प्रदान की जाती है। यह एक महत्वपूर्ण कार्य है, अधिकारी सतर्क रहते हैं और यात्रियों की प्रोफाइलिंग और साझा खुफिया जानकारी के आधार पर मामलों की जांच करते हैं। प्रतिबंधित सामान की तस्करी का प्रयास करते समय पकड़े गए यात्रियों के विरुद्ध नियमित रूप से मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

व्यापार मात्रा : यह अंचल बड़ी मात्रा में आयात और निर्यात की सुविधा प्रदान करता है। यदि आयात देखेंगे तो, वर्ष 2023-24 के लिए 5.94 लाख आगम पत्र जारी किए गए, जिनका आयात मूल्य 3.09 लाख करोड़ रुपए था तथा और वर्तमान वर्ष के जुलाई 2024 तक 1.27लाख करोड़ रुपए के आयात मूल्य के 2.09 लाख आगम पत्र जारी किए गए हैं। यदि निर्यात को देखते हैं तो, 8.59 लाख शिपिंग बिल संसाधित किए गए, जिनका निर्यात मूल्य 2.79 लाख करोड़ रुपए है।

वर्ष 2023-24 और चालू वित्त वर्ष के लिए जुलाई-2024 तक, 1.78 लाख लादन बिल मूल्य के हैं 0.52 लाख करोड़ रुपए के निर्यात का प्रसंस्करण किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय कूरियर टर्मिनल पर, वर्तमान वर्ष के दौरान जुलाई 2024 तक 466 करोड़ रुपए निहित शुल्क के 3.29 लाख के आयात प्रेषित माल की निकासी की गई।

मंगलूरु सीमा शुल्क

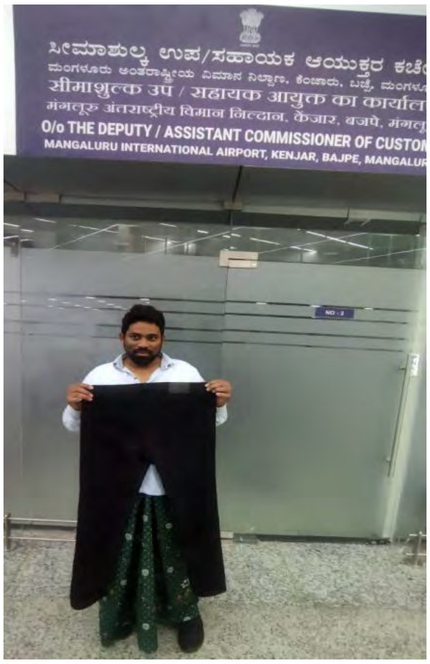

एपीआईएस डेटा और मंगलूरु सीमा शुल्क के अधिकारियों द्वारा की गई प्रोफाइलिंग के आधार पर, इंडिगो की उड़ान 6E1163 द्वारा दुबई से मंगलूरु की यात्रा कर रहे एक व्यक्ति को ग्रीन चैनल पार करने के बाद 14-12-2023 को रोक लिया गया था। यात्री द्वारा पहने गए उसके ट्राउजर को व्यक्तिगत रूप से जांचने और स्कैन करने पर, काली छवि दिखाई दी और उक्त ट्राउजर की आगे की खुली जांच करने पर, ट्राउजर की परतों के अंदर छिपा हुआ पीले रंग का पेस्ट पदार्थ पाया गया। हीटिंग प्रक्रिया के जरिए निष्कर्षण करने पर, रु.17,73,200/- रूपए मूल्य की 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वजन 286 ग्राम (शुद्ध) उससे बरामद किये गये।

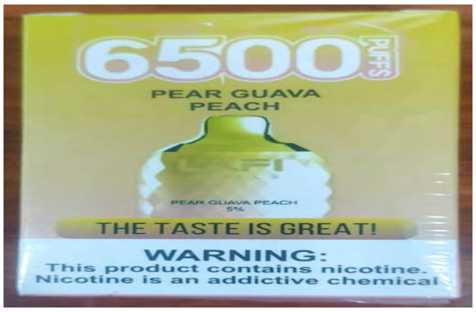

दिनांक 21-02-2024 को एयर इंडिया की उड़ान IX814 द्वारा दुबई से मंगलूरु की यात्रा कर रहे एक यात्री के सामान की विस्तृत पुन: स्कैनिंग करने पर चेक इन बैगेज के अंदर छुपाए गएई-निकोटिन वेप जूस/तरल पदार्थ के पैकेट छुपाए गए पाए गए। उक्त माल की कुल कीमत रु.298871/- थी जिसे बरामद कर लिया गया।

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा

दिनांक 12-06-2024 से दिनांक 26-06-2024 तक सीमा शुल्क बेंगलूरु अंचल के आयुक्तालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 'नशा मुक्त भारत पखवाड़ा' मनाया। दिनांक 20-06-2024 को सीमा शुल्क बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त के तत्वावधान और मार्गदर्शन में आयोजित वॉकथॉन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। वॉकथॉन दोपहर 1.30 बजे सीआर भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा से शुरू हुआ, जो क्वीन्स रोड से होते हुए एमजी रोड पर महात्मा गांधी की प्रतिमा तक पहुंचा, जहां समूह ने उपस्थित लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए "से नो टू ड्रग्स" नारे लगाए गए। इसके बाद समूह ने कब्बन पार्क से होते हुए 2 किलोमीटर की दूरी तय की तथा सीआर भवन में वॉकथॉन का समापन किया। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरे वॉकथॉन में नारकोटिक ड्रग्स के इस्तेमाल और इसके हानिकारक प्रभावों को रोकने के लिए नारे और संदेशवाली प्लेकार्ड दिखाई गईं।

सीमा शुल्क बेंगलूरु अंचल के अधिकारियों ने सहायक आयुक्त (स्वच्छता एवं प्रणाली) के मार्गदर्शन में बेंगलूरु के टास्कर टाउन में एक सरकारी पीयू कॉलेज की पहचान की और 'नशा मुक्त भारत पखवाड़ा' के तहत मादक दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सेमिनार आयोजित किया (फोटो संलग्न)। अधिकारियों ने स्कूल के पी.यू.सी. 1 और पी.यू.सी. 2 के छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र में भाग लिया। छात्रों को मादक दवाओं से जुड़े मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के लिए वीडियो के साथ एक सूचनात्मक पीपीटी प्रदर्शित की गई। छात्रों को नशीली दवाओं से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल में बैज और प्लेकार्ड भी वितरित की गईं।

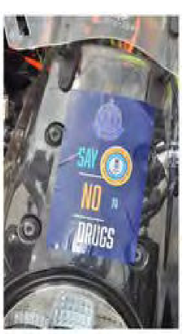

क्विज़ – जीएसटी सीखने का एक तरीका

क्विज़ शब्द का अर्थ है एक खेल या प्रतियोगिता जिसमें आप सवालों के जवाब देते हैं। दसवीं कक्षा के छात्र के रूप में मैंने पहली बार क्विज़ में भाग लिया। केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग में शामिल होने के बाद, मुझे क्विज़ में भाग लेने का अनुभव हुआ, जहाँ प्रतिभागियों से केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून और इसकी प्रक्रियाओं और नियमों पर आधारित सवाल पूछे गए थे। क्विज़ में आपके सामने रखे गए किसी सवाल का सही उत्तर देने के लिए किसी तरह की त्वरित सोच की आवश्यकता होती है, खासकर जब आपको तीस सेकंड के छोटे से समय में इसका उत्तर देना होता है। कई बार, आपको उत्तर पता होता है, लेकिन यह समय रहते आपकी याददाश्त से निकल जाता है। मैं इसे "बिजली" की सोच भी कह सकता हूँ। उत्तर आपके मस्तिष्क में एक "फ़्लैश" की तरह आना चाहिए। यह तभी होगा जब आप प्रश्न के सभी रंगों और बारीकियों को पूरी तरह से समझ चुके होंगे और अपने मस्तिष्क के अचेतन हिस्से में कहीं दबे हुए अतीत में किसी न किसी समय इसका अध्ययन कर चुके होंगे। जिस क्षण आपने प्रश्न देखा, वह फव्वारे में फूटने वाले झरने की तरह बाहर आ जाना चाहिए। जब प्रश्न आप पर गोलियों की तरह दागे जा रहे हों, तो उनका उत्तर देना एक अलग ही अनुभव है। किसी विशेष विषय के अध्ययन का व्यापक अनुभव और असाधारण अनुपात की जिज्ञासा से भरा जिज्ञासु मन ही व्यक्ति को सभी प्रश्नों का सही उत्तर देने में सक्षम बना सकता है, जब आप पर एक के बाद एक कई प्रश्न पूछे जा रहे हों। आपका मस्तिष्क एक डूबते हुए ब्लैक होल की तरह होना चाहिए, जहाँ सब कुछ बिना बाहर निकले या बाहर निकले ही समाहित हो जाए। हालाँकि, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि क्विज़ वास्तव में छात्रों में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा नहीं देता है, क्योंकि वे कुछ ही सेकंड में उत्तर दे देते हैं। यह बिना यह जाने कि परिधान कैसे सिला गया है, रेडीमेड परिधान पहनने जैसा है। लेकिन, फिर, यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रश्न कैसे तैयार किया गया है। प्रश्न को इस तरह से तैयार किया जाना चाहिए कि उसमें कई जानकारी हो, ताकि श्रोता आलोचनात्मक रूप से सोचें और अपना ज्ञान बढ़ाएँ। फिर, क्विज़ में भाग लेना केवल मनोरंजन और मन बहलाव के अनुभव के बजाय अधिक शिक्षाप्रद और समृद्ध मूल्य का अनुभव होगा। हाल ही में, जीएसटी के कार्यान्वयन के सात वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, मैसूर में एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहाँ मैं वर्तमान में कार्यरत हूँ। मेरे एक सहकर्मी ने मुझसे प्रतिभागियों के समक्ष जीएसटी पर कुछ प्रश्न संकलित करने का अनुरोध किया। प्रश्न तैयार करते समय, मुझे लगा कि प्रश्नोत्तरी केवल प्रश्नोत्तर सत्र नहीं है, बल्कि जीएसटी सीखने का एक तरीका है। मैंने एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी से परामर्श किया और इन प्रश्नों को संकलित किया। ये प्रश्न सरल से लेकर बहुत ही पेचीदा हैं और विभाग में प्रवेश करने वाले युवाओं के लिए मददगार हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें अभी बहुत आगे जाना है, हालाँकि मैं खुद भी संकलन के समय तक पूरी तरह से निश्चित नहीं था कि मुझे इनके उत्तर सही से पता थे। तो ये रहे।

प्रश्न 1: जीएसटी कानून में इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के लिए कौन सी धारा में शर्तें हैं?

उत्तर: धारा 16 (विशिष्ट रूप से 16(2))।

प्रश्न 2: कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135(5) के अनुसार प्रत्येक पात्र कंपनी को सीएसआर गतिविधियों पर तत्काल पिछले 3 वित्तीय वर्षों के शुद्ध लाभ के औसत का कम से कम 2% खर्च करना आवश्यक है। सीएसआर के इन अक्षरों का क्या अर्थ है? किस तिथि से सीएसआर व्यय के लिए किए गए व्यय पर भुगतान किए गए जीएसटी के संबंध में इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति नहीं दी जाएगी?

उत्तर: कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व। 1-10-2023।

प्रश्न 3: वह धारा और उपधारा क्या है जिसके तहत यदि कोई व्यय अवरुद्ध है तो धारा 16 की शर्तों को पूरा करने पर भी ऐसे व्यय पर आईटीसी उपलब्ध नहीं होगी।

उत्तर: 17(5)

प्रश्न 4: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की किस धारा के तहत प्रतिबंध लगाया गया है कि केंद्र और राज्य के दो विभाग एक ही आधार पर और एक ही अवधि के लिए एक ही करदाता के खिलाफ समानांतर कार्यवाही शुरू नहीं कर सकते हैं।

उत्तर: धारा 6(2)(बी)

प्रश्न 5: वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के तहत लेनदेन मूल्य का बहुत महत्व है क्योंकि जीएसटी लेनदेन मूल्य के आधार पर लगाया जाता है। सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की किस धारा में लेनदेन मूल्य से संबंधित प्रावधान हैं?

उत्तर: धारा 15

प्रश्न 6: सेकेंड हैंड माल के मामले में, जहां माल पर पहले कर लगाया जा चुका है, इन्हें आपूर्ति श्रृंखला में फिर से शामिल किया जाता है। चूंकि प्रारंभिक आपूर्ति के दौरान आपूर्तिकर्ता द्वारा लेनदेन मूल्य पर जीएसटी पहले ही लगाया जा चुका है, इसलिए सेकेंड हैंड माल की आपूर्ति पर दोहरे कराधान को रोकने के लिए एक योजना शुरू की गई थी। यह योजना सेकेंड हैंड माल की आपूर्ति के मामले में लागू है। योजना का नाम क्या है?

उत्तर: मार्जिन योजना। (सेकंड हैंड माल की आपूर्ति के मामले में जीएसटी मार्जिन पर लगाया जाएगा, यानी बिक्री मूल्य और खरीद मूल्य के बीच का अंतर। हालांकि, यदि ऐसा अंतर नकारात्मक है, तो ऐसे मूल्य को नजरअंदाज कर दिया जाएगा और ऐसी स्थिति में कोई जीएसटी नहीं लगाया जाएगा।)

प्रश्न 7: अधिसूचना संख्या क्या है, जिसमें माल की आपूर्ति के लिए जीएसटी की सभी दरें अधिसूचित की गई हैं?

उत्तर: अधिसूचना संख्या 01/2017-केंद्रीय कर (दर) दिनांक 28.06.2017

प्रश्न: 8: वह निर्यात के अभ्यास में लगा हुआ व्यक्ति है, व्यापारिक गतिविधियों में विशेषज्ञता रखता है और माल का निर्यात करता है या निर्यात करने का इरादा रखता है। निर्माता-निर्यातकों के विपरीत, वह अपनी खुद की विनिर्माण इकाई नहीं रखता है। इसके बजाय, वह निर्माता-निर्यातकों से माल खरीदता है और बाद में उन्हें विदेशी ग्राहकों को निर्यात करता है। उसे क्या कहा जाता है?

उत्तर: "व्यापारी निर्यातक" (एक व्यापारी निर्यातक निर्माता निर्यातक से 0.1% की दर से माल खरीदता है और फिर ऐसे माल को केवल LUT आधार पर निर्यात करता है। व्यापारी निर्यातक उक्त 0.1% का ITC दावा करने के लिए पात्र है और चूंकि माल व्यापारी निर्यातक द्वारा केवल LUT आधार पर निर्यात किया जाता है, इसलिए वह CGST नियम 2017 के नियम 89(4B) के अनुसार संचित ITC की वापसी का भी दावा कर सकता है।)

प्रश्न: 9: "EGM", "SB" "DGFT" "BCD" और "FTP" के संक्षिप्त नाम क्या हैं?

उत्तर: निर्यात सामान्य घोषणापत्र, शिपिंग बिल, विदेश व्यापार महानिदेशक, मूल सीमा शुल्क और विदेश व्यापार नीति।

प्रश्न: 10: सीजीएसटी नियमों का एक विशेष नियम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर में उपलब्ध राशि के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है और एक बार यह विशेष नियम लागू हो जाने पर करदाता को आउटपुट कर देयता का कम से कम 1% नकद में जमा करना होगा, भले ही वह राशि क्रेडिट लेजर में उपलब्ध हो। यह नियम क्या है?

उत्तर: नियम 86बी (नियम 86बी का अन्य सभी सीजीएसटी नियमों पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है और कहा गया नियम आउटपुट कर देयता के निर्वहन के लिए इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेज़र में उपलब्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के उपयोग को प्रतिबंधित करता है। यह नियम पंजीकृत व्यक्तियों पर लागू होता है जिनकी एक महीने में आपूर्ति का कर योग्य मूल्य (छूट प्राप्त आपूर्ति और शून्य-रेटेड आपूर्ति के अलावा) 50 लाख रुपये से अधिक है। इसलिए नियम 86बी की प्रयोज्यता सुनिश्चित करने के लिए हर महीने रिटर्न (जीएसटीआर-3बी) दाखिल करने से पहले 50 लाख रुपये की टर्नओवर सीमा की जांच करना आवश्यक है। उदाहरण के लिए, यदि दिसंबर महीने में कर योग्य आपूर्ति का मूल्य 50 लाख रुपये से अधिक है, तो नियम 86बी का प्रावधान लागू होगा। हालांकि, अगर अगले महीने यानी जनवरी में कर योग्य आपूर्ति का ऐसा मूल्य 50 लाख रुपये से अधिक नहीं है आउटपुट कर देयता का 99%। दूसरे शब्दों में, भले ही इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेज़र में क्रेडिट उपलब्ध हो, पंजीकृत व्यक्ति को 1% कर नकद में देना होगा।)

प्रश्न: 11: सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की एक विशेष धारा में गोदाम में माल के संबंध में विनिर्माण और अन्य संचालन के प्रावधान हैं। इस धारा की संख्या क्या है?

उत्तर: धारा 65

प्रश्न: 12: एक योजना शुरू की गई थी और इस योजना का उद्देश्य विनिर्माण या अन्य परिचालन गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने वाले आयातित माल पर सीमा शुल्क (बीसीडी और आईजीएसटी) को स्थगित करना था। इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य भारत को एक प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र और एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। इस योजना का नाम क्या है?

उत्तर: MOWR योजना (वेयरहाउस में विनिर्माण और अन्य संचालन (MOOWR) योजना) {MOOWR योजना के तहत माल को स्थगित शुल्क सुविधा के साथ आयात किया जा सकता है और जब तैयार माल निर्यात किया जाता है, तो आयातित इनपुट पर कोई शुल्क देय नहीं होता है। हालाँकि, यदि तैयार माल DTA को बेचा जाता है, तो ऐसे तैयार माल पर GST + आयातित इनपुट पर स्थगित आयात शुल्क का भुगतान करना होगा।}

प्रश्न: 13: इस अधिसूचना में उन सेवाओं की सूची है जिन्हें GST के भुगतान से छूट दी गई है। इसे 28 जून, 2017 को जारी किया गया था। इस अधिसूचना की संख्या क्या है?

उत्तर: अधिसूचना संख्या 12/2017 सीटी (आर)

प्रश्न: 14: जीएसटी परिषद की अब तक कितनी बैठकें आयोजित की गई हैं?

उत्तर: 53

प्रश्न: 15: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की तीन अनुसूचियां हैं। सीजीएसटी अधिनियम 2017 की इस विशेष अनुसूची में उन गतिविधियों या लेनदेन की सूची है, जिन्हें न तो माल की आपूर्ति या सेवाओं की आपूर्ति के रूप में माना जाएगा। इस अनुसूची का नाम क्या है?

उत्तर: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की अनुसूची II

प्रश्न: 16: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की तीन अनुसूचियां हैं। सीजीएसटी अधिनियम 2017 की इस विशेष अनुसूची में उन गतिविधियों या लेनदेन की सूची है, जिन्हें न तो माल की आपूर्ति और न ही सेवाओं की आपूर्ति के रूप में माना जाएगा। इस अनुसूची का नाम क्या है?

उत्तर: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की अनुसूची II

प्रश्न: 17: हरियाणा का एक आयातक यूएसए से कुछ सामान आयात करना चाहता है। इसलिए, ऐसे माल का ऑर्डर दिया। जब माल पारगमन में था और भारत की सीमा शुल्क सीमाओं को पार करने से पहले, उक्त माल चीन में एक खरीदार को बेच दिया गया था। आप इस लेन-देन को क्या कहेंगे?

उत्तर: समुद्र में बिक्री। (जीएसटी के तहत, समुद्र में बिक्री सीजीएसटी अधिनियम 2017 की अनुसूची III के अंतर्गत आती है, इसलिए इसे माल की आपूर्ति या सेवाओं की आपूर्ति नहीं माना जाएगा, तदनुसार ऐसे लेनदेन पर जीएसटी लागू नहीं होगा। समुद्र में बिक्री को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए गए सामान या सेवा के संबंध में आईटीसी को उलटने की कोई आवश्यकता नहीं है। साथ ही ऐसी बिक्री को जीएसटी रिटर्न में दिखाने की आवश्यकता नहीं है।)

प्रश्न: 18: इस रिटर्न में करदाता माल या सेवाओं की बाहरी आपूर्ति का विवरण दिखाता है। इस रिटर्न का नाम क्या है?

उत्तर: जीएसटीआर-1 (यह रिटर्न सीजीएसटी नियम, 2017 के नियम 59(1) के तहत दाखिल किया जाता है)

प्रश्न: 19: यह रिटर्न भुगतान किए गए करों, प्राप्त किए गए और उपयोग किए गए क्रेडिट, ब्याज और भुगतान किए गए विलंब शुल्क का मासिक सारांश दिखाता है। इस रिटर्न का नाम क्या है?

उत्तर: जीएसटीआर-3बी (यह रिटर्न सीजीएसटी नियम, 2017 के नियम 61(5) के तहत दाखिल किया जाता है)

प्रश्न: 20: इस धारा में सीजीएसटी अधिनियम, 2017 में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषाएँ हैं। इस धारा की संख्या क्या है?

उत्तर: धारा 2

प्रश्न: 21: इस धारा के तहत केंद्रीय माल और सेवा कर लगाया जाता है। इस धारा की संख्या क्या है?

उत्तर: धारा 9

प्रश्न: 22: सीजीएसटी अधिनियम या इसके तहत बनाए गए नियमों या किसी अन्य कानून के तहत पंजीकृत व्यक्ति द्वारा बनाए गए या प्रस्तुत किए गए अभिलेखों, रिटर्न और अन्य दस्तावेजों की जांच के लिए एक विशिष्ट शब्द का उपयोग किया जाता है, ताकि घोषित टर्नओवर, भुगतान किए गए कर, दावा किए गए रिफंड और प्राप्त किए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट की सत्यता को सत्यापित किया जा सके और इस अधिनियम या इसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के साथ उसके अनुपालन का आकलन किया जा सके। यह शब्द क्या है?

उत्तर: ऑडिट

प्रश्न: 23: "जीएसटीएटी" का संक्षिप्त रूप क्या है?

उत्तर: माल और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (न्यायाधिकरण का गठन सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 109 के तहत किया गया है)

प्रश्न: 24: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 के प्रावधान किस तारीख को लागू हुए?

उत्तर: 1 जुलाई, 2017.

प्रश्न: 25: "डीजीजीआई", "डीजीजीएसटी" और "डीजीए" के संक्षिप्त रूप क्या हैं?

उत्तर: माल और सेवा कर खुफिया महानिदेशालय, माल और सेवा कर महानिदेशालय और लेखा परीक्षा महानिदेशालय।

प्रश्न: 26: एक कर योग्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तकर्ता को की गई आपूर्ति में माल या सेवाओं या दोनों की दो या अधिक कर योग्य आपूर्तियाँ या उनका कोई संयोजन शामिल है, जो स्वाभाविक रूप से बंडल की जाती हैं और व्यवसाय के सामान्य क्रम में एक दूसरे के साथ मिलकर आपूर्ति की जाती हैं, जिनमें से एक मुख्य आपूर्ति है। इस आपूर्ति को क्या कहा जाता है?

उत्तर: समग्र आपूर्ति। (माल की पैकिंग और परिवहन बीमा के साथ किया जाता है, माल की आपूर्ति, पैकिंग सामग्री, परिवहन और बीमा एक समग्र आपूर्ति है और माल की आपूर्ति एक प्रमुख आपूर्ति है।)

प्रश्न: 27: संविधान के इस विशेष अनुच्छेद के तहत माल और सेवा कर परिषद की स्थापना की गई है। इस अनुच्छेद की संख्या क्या है?

उत्तर: संविधान का अनुच्छेद 279A

प्रश्न: 28: वह व्यक्ति है जो इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स के लिए डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक सुविधा या प्लेटफ़ॉर्म का मालिक है, उसका संचालन करता है या उसका प्रबंधन करता है। इस व्यक्ति का नाम क्या है?

उत्तर: "इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स ऑपरेटर"

प्रश्न: 29: यह संविधान के अनुच्छेद 1 में उल्लिखित क्षेत्र है, इसका प्रादेशिक जल, समुद्र तल और ऐसे जल के नीचे की उप-भूमि, महाद्वीपीय शेल्फ, अनन्य आर्थिक क्षेत्र या कोई अन्य समुद्री क्षेत्र जैसा कि प्रादेशिक जल, महाद्वीपीय शेल्फ, अनन्य आर्थिक क्षेत्र और अन्य समुद्री क्षेत्र अधिनियम, 1976 में उल्लिखित है, और इसके क्षेत्र और प्रादेशिक जल के ऊपर का हवाई क्षेत्र। इस क्षेत्र को क्या कहा जाता है?

उत्तर: भारत।

प्रश्न: 30: यह माल या सेवाओं या दोनों के आपूर्तिकर्ता का कार्यालय है जो इनपुट सेवाओं की प्राप्ति के लिए धारा 31 के तहत जारी किए गए कर चालान प्राप्त करता है और उक्त सेवाओं पर भुगतान किए गए केंद्रीय कर, राज्य कर, एकीकृत कर या केंद्र शासित प्रदेश कर के क्रेडिट को कर योग्य वस्तुओं या सेवाओं या दोनों के आपूर्तिकर्ता को वितरित करने के उद्देश्य से एक निर्धारित दस्तावेज जारी करता है, जिसका स्थायी खाता संख्या उक्त कार्यालय के समान है। इस कार्यालय को क्या कहा जाता है?

उत्तर: इनपुट सेवा वितरक

प्रश्न: 31. इस विशेष शब्द का अर्थ किसी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य पंजीकृत व्यक्ति के माल पर किया गया कोई उपचार या प्रक्रिया है। यह शब्द क्या है?

उत्तर: जॉब वर्क

प्रश्न: 32: इस विशेष शब्द का अर्थ है कच्चे माल या इनपुट का किसी भी तरीके से प्रसंस्करण करना जिसके परिणामस्वरूप एक नया उत्पाद उभर कर आता है जिसका एक अलग नाम, चरित्र और उपयोग होता है। यह शब्द क्या है?

उत्तर: "निर्माण"

प्रश्न: 33: एक पंजीकृत व्यक्ति एक पैकेज की आपूर्ति कर रहा है जिसमें डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, मिठाई, चॉकलेट, केक, सूखे मेवे, वातित पेय और फलों के रस एक ही कीमत पर हैं। इस आपूर्ति का नाम क्या है?

उत्तर: मिश्रित आपूर्ति।

प्रश्न: 34: इस विशेष शब्द का अर्थ है माल या सेवा या दोनों की आपूर्ति के प्राप्तकर्ता द्वारा ऐसे माल या सेवा या दोनों के आपूर्तिकर्ता के बजाय कर का भुगतान करने की देयता। यह शब्द क्या है?

उत्तर: "रिवर्स चार्ज"

प्रश्न: 35: (1) ऐसी आपूर्तियाँ हैं जिन पर GST देय नहीं है। (2) कुछ अन्य आपूर्तियाँ हैं जिन पर GST देय है लेकिन इस संबंध में अधिसूचना जारी करके सरकार द्वारा फिलहाल छूट दी गई है। इन आपूर्तियों को क्या कहा जाता है?

उत्तर: (1) गैर जीएसटी आपूर्ति (2) छूट प्राप्त आपूर्ति

प्रश्न: 36: जीएसटी कानून के तहत, टर्नओवर की सीमा के आधार पर छोटे करदाताओं के लिए एक वैकल्पिक योजना है। इस योजना को क्या कहा जाता है?

उत्तर: कंपोजिशन स्कीम

प्रश्न: 37: 1 जनवरी 2021 को एक नई योजना लागू हुई, यह योजना MEIS की जगह लेगी। यह नई योजना निर्यात क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए शुरू की गई है। इस योजना का उद्देश्य निर्यात किए गए उत्पाद के उत्पादन और वितरण में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर पूर्व चरण के संचयी अप्रत्यक्ष करों सहित निर्यात किए गए उत्पाद पर केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर लगाए गए शुल्कों/करों/उपकरों की भरपाई करना है। इस योजना के तहत लाभ स्क्रिप के रूप में उपलब्ध है जिसे हस्तांतरित किया जा सकता है और ऐसे हस्तांतरण पर कोई GST नहीं लगेगा और ऐसे स्क्रिप का उपयोग आयात के समय BCD के भुगतान के लिए किया जा सकता है। इस नई योजना का नाम क्या है?

उत्तर: RoDTEP, जिसका अर्थ है निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट।

प्रश्न: 38: एक पंजीकृत व्यक्ति धोखाधड़ी के अलावा अन्य कारणों से कर का भुगतान करने में विफल रहा है। उस पर अधिकतम कितना जुर्माना लगाया जा सकता है?

उत्तर: अधिकतम जुर्माना 10,000 रुपये या देय कर की राशि का 10%, जो भी अधिक हो, लगाया जा सकता है। [धारा 122(2)(ए)]

प्रश्न: 39: किसी पंजीकृत व्यक्ति ने गलत या अधूरे विवरण के साथ चालान जारी किया है। उस पर अधिकतम कितना जुर्माना लगाया जा सकता है?

उत्तर: अधिकतम जुर्माना 25,000 रुपये है। [धारा 125]

प्रश्न: 40: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 67(5) के अनुसार, जब कोई माल जब्त किया जाता है, तो उसके संबंध में नोटिस देने की समय-सीमा क्या है? यदि इस समय-सीमा के भीतर उसके संबंध में कोई नोटिस नहीं दिया जाता है, तो माल उस व्यक्ति को वापस कर दिया जाएगा, जिसके कब्जे से उसे जब्त किया गया था।

उत्तर: छह महीने

प्रश्न: 41: धारा 113(3) के अनुसार, अपीलीय न्यायाधिकरण उप-धारा (1) के तहत अपने द्वारा पारित किसी भी आदेश को संशोधित कर सकता है ताकि रिकॉर्ड में दिखाई देने वाली किसी भी त्रुटि को ठीक किया जा सके, यदि ऐसी त्रुटि उसके द्वारा स्वयं देखी जाती है, या आयुक्त या राज्य कर आयुक्त या केंद्र शासित प्रदेश कर आयुक्त या अपील के अन्य पक्ष द्वारा उसके संज्ञान में लाई जाती है।

वह समय-अवधि क्या है जिसके भीतर यह त्रुटि न्यायाधिकरण के संज्ञान में लाई जा सकती है?

उत्तर: आदेश की तारीख से तीन महीने।

प्रश्न: 42: "रेस इंटेग्रा" शब्द का क्या अर्थ है। इस शब्द का उपयोग न्यायाधिकरण अधिकारियों, अपीलीय प्राधिकरणों, न्यायाधिकरणों और न्यायालयों द्वारा पारित मूल आदेशों में किया जाता है।

उत्तर: मामला अभी तय नहीं हुआ है। (प्रयोग: यह मामला अब एकीकृत नहीं है। इसका मतलब है कि यह मामला पहले ही तय हो चुका है।)

प्रश्न: 43: प्रत्येक निर्णय में तीन बुनियादी तत्व होते हैं: (क) प्रत्यक्ष और अनुमानात्मक भौतिक तथ्यों का पता लगाना। तथ्य का अनुमानात्मक निष्कर्ष वह निष्कर्ष है जो न्यायाधीश प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष तथ्यों से निकालता है; (ख) तथ्यों द्वारा प्रकट की गई कानूनी समस्याओं पर लागू कानून के सिद्धांतों का कथन; और (ग) उपरोक्त (क) और (ख) के संयुक्त प्रभाव पर आधारित निर्णय। हालाँकि, मिसाल के सिद्धांतों के प्रयोजनों के लिए, घटक संख्या (ख) निर्णय में महत्वपूर्ण तत्व है - न्यायाधीश द्वारा कही गई हर बात मिसाल नहीं बनती। जिस सिद्धांत पर किसी मामले का फैसला किया जाता है, वह अकेले ही किसी पक्ष पर बाध्यकारी होता है। इसलिए निर्णय का विश्लेषण और उससे कानून के सिद्धांत को अलग करना महत्वपूर्ण है। यहाँ तक कि जहाँ पहले के मामले के प्रत्यक्ष तथ्य न्यायालय के समक्ष मामले के समान प्रतीत होते हैं, वहाँ भी न्यायाधीश पहले के मामले में निकाले गए निष्कर्ष के समान निष्कर्ष निकालने के लिए बाध्य नहीं है। [एआईआर 1979 एससी 1384; 1979 सीआर एलजे 1058]। कानून के इस सिद्धांत को दर्शाने के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग किया जाता है। यह शब्द क्या है?

उत्तर: रेशियो डेसिडेंडी।

प्रश्न: 44: "एब इनिटियो" शब्द का क्या अर्थ है? इस शब्द का प्रयोग अक्सर आदेशों के एक विशेष वर्ग का वर्णन करते समय किया जाता है, जहाँ परिस्थितियाँ धोखाधड़ी के तत्व को दर्शाती हैं। उत्तर: शुरू से। या शुरू से।

प्रश्न: 45: "ऑडी अल्टरम पार्टम" शब्द का क्या अर्थ है? इस शब्द का अर्थ सभी प्रशासनिक अधिकारियों, अर्ध-न्यायिक अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों के लिए मौलिक है। वास्तव में, यदि इसका पालन नहीं किया जाता है, तो कानून की नज़र में आदेश वैध नहीं होते हैं और रद्द हो जाते हैं।

उत्तर: "दूसरे पक्ष को सुनें।"

प्रश्न: 46: "साइन क्वा नॉन" शब्द का क्या अर्थ है? यह शब्द न्यायनिर्णयन आदेशों, अपीलीय आदेशों और न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों और निर्णयों में भी आता है।

उत्तर: एक अपरिहार्य शर्त। एक अपरिहार्य आवश्यकता।

प्रश्न: 47: "मेन्स रीआ" शब्द का क्या अर्थ है? इस शब्द का प्रयोग अक्सर विभागीय अधिकारियों द्वारा पारित मूल आदेशों और आपराधिक न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों में किया जाता है।

उत्तर: दोषी मन; निषिद्ध कार्य करने का दोषी ज्ञान या इरादा।

प्रश्न: 48: "एक्टस रीस नॉन फैसिट रीम निसी मेन्स सिट री" अभिव्यक्ति का क्या अर्थ है? इस शब्द का प्रयोग आपराधिक न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों में किया जाता है।

उत्तर: किसी अपराध के लिए दोषसिद्धि के लिए आपराधिक कृत्य और इरादे का सबूत होना आवश्यक है।

प्रश्न: 49: आज की स्थिति में सीजीएसटी अधिनियम, 2017 में कितनी धाराएँ हैं?

उत्तर: 178 (धाराओं की वास्तविक संख्या 181 है, लेकिन वित्त अधिनियम, 2022 की धारा 107 के तहत तीन धाराओं को हटा दिया गया है)

प्रश्न: 50: किस अधिसूचना के तहत बोर्ड ने माल और सेवा कर खुफिया महानिदेशालय, माल और सेवा कर महानिदेशालय और लेखा परीक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों को केंद्रीय कर अधिकारी नियुक्त किया है और उन्हें केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और इसके तहत बनाए गए नियमों के तहत भारत भर में सभी शक्तियां प्रदान की हैं, जैसा कि केंद्रीय कर अधिकारियों द्वारा प्रयोग किया जा सकता है?

उत्तर: अधिसूचना संख्या 14/2017 - केंद्रीय कर दिनांक 1 जुलाई, 2017

प्रश्न: 51: इस विशेष शब्द का अर्थ है इस अधिनियम के तहत कोई आदेश या निर्णय पारित करने के लिए नियुक्त या अधिकृत कोई भी प्राधिकरण, लेकिन इसमें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड, संशोधन प्राधिकरण, अग्रिम निर्णय के लिए प्राधिकरण, अग्रिम निर्णय के लिए अपीलीय प्राधिकरण, अपीलीय प्राधिकरण, अपीलीय न्यायाधिकरण और धारा १७१ की उप-धारा (२) में निर्दिष्ट प्राधिकरण शामिल नहीं हैं। यह शब्द क्या है?

उत्तर: न्यायनिर्णयन प्राधिकरण

प्रश्न: 52: इस विशेष शब्द का अर्थ है सभी कर योग्य आपूर्तियों का कुल मूल्य (आवक आपूर्तियों के मूल्य को छोड़कर, जिस पर किसी व्यक्ति द्वारा रिवर्स चार्ज के आधार पर कर देय है), छूट प्राप्त आपूर्तियाँ, माल या सेवाओं या दोनों का निर्यात और समान स्थायी खाता संख्या वाले व्यक्तियों की अंतर-राज्य आपूर्ति, जिसकी गणना अखिल भारतीय आधार पर की जाएगी, लेकिन इसमें केंद्रीय कर, राज्य कर, केंद्र शासित प्रदेश कर, एकीकृत कर और उपकर शामिल नहीं हैं। यह शब्द क्या है?

उत्तर: कुल कारोबार

प्रश्न: 53: इस विशेष शब्द का अर्थ है सीजीएसटी अधिनियम के तहत कर देयता का निर्धारण। यह शब्द क्या है?

उत्तर: मूल्यांकन

प्रश्न: 54: ये वे सामान हैं, जिनका मूल्य इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करने वाले व्यक्ति की खाता बही में पूंजीकृत है और जिनका उपयोग या उपयोग करने का इरादा है। ये सामान क्या हैं?
उत्तर: पूंजीगत सामान
धारा प्रश्न: 55: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की यह धारा पंजीकरण की प्रक्रिया से संबंधित है। यह क्या है?
उत्तर: धारा 25
प्रश्न: 56: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की यह धारा पंजीकरण के निरस्तीकरण या निलंबन से संबंधित है। यह धारा क्या है?
उत्तर: धारा 29
प्रश्न: 57: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की यह धारा कर के अनधिकृत संग्रह के निषेध से संबंधित है। यह धारा क्या है?
उत्तर: धारा 32
प्रश्न: 58: इस धारा के तहत, रिटर्न डिफॉल्टरों को नोटिस जारी किया जाता है। यह धारा क्या है?
उत्तर: धारा 46.
प्रश्न: 59: कोई भी व्यक्ति किसी भी कर और ब्याज, यदि कोई हो, जो ऐसे कर या उसके द्वारा भुगतान की गई किसी अन्य राशि पर भुगतान किया गया है, की वापसी का दावा करते हुए, प्रासंगिक तिथि से दो वर्ष की समाप्ति से पहले निर्धारित प्रारूप और तरीके से आवेदन कर सकता है। सीजीएसटी अधिनियम की कौन सी धारा यह कहती है?
उत्तर: धारा 54
प्रश्न: 60: उचित अधिकारी पंजीकृत व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत रिटर्न और संबंधित विवरणों की जांच करके रिटर्न की सत्यता की पुष्टि कर सकता है और यदि कोई विसंगतियां पाई जाती हैं, तो उन्हें निर्धारित तरीके से सूचित कर सकता है और उनसे स्पष्टीकरण मांग सकता है। सीजीएसटी अधिनियम की कौन सी धारा यह कहती है?
उत्तर: धारा 61
प्रश्न: ६१: आयुक्त या उनके द्वारा अधिकृत कोई अधिकारी, सामान्य या विशिष्ट आदेश के माध्यम से, किसी पंजीकृत व्यक्ति का ऐसी अवधि के लिए, ऐसी आवृत्ति पर और ऐसी विधि से ऑडिट कर सकता है, जैसा कि निर्धारित किया जा सकता है। सीजीएसटी अधिनियम की कौन सी धारा यह कहती है?
उत्तर: धारा 65.
प्रश्न: 62: जहां आयुक्त के पास यह मानने के कारण हैं कि किसी व्यक्ति ने धारा 132 की उपधारा (1) के खंड (ए) या खंड (बी) या खंड (सी) या खंड (डी) में निर्दिष्ट कोई अपराध किया है जो उपधारा (1) के खंड (i) या (ii) या उक्त धारा की उपधारा (2) के तहत दंडनीय है, वह आदेश द्वारा, केंद्रीय कर के किसी अधिकारी को ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए अधिकृत कर सकता है। सीजीएसटी अधिनियम की कौन सी धारा यह कहती है?
उत्तर: धारा 69
प्रश्न: 63: पुलिस, रेलवे, सीमा शुल्क के सभी अधिकारी तथा भूमि राजस्व के संग्रह में लगे हुए अधिकारी, जिनमें ग्राम अधिकारी, राज्य कर के अधिकारी तथा संघ राज्य क्षेत्र कर के अधिकारी शामिल हैं, इस अधिनियम के कार्यान्वयन में उचित अधिकारियों की सहायता करेंगे। सीजीएसटी अधिनियम की कौन सी धारा यह कहती है?
उत्तर: धारा 72.
प्रश्न: 64: धारा 73 या धारा 74 में निहित किसी भी विपरीत बात के बावजूद, जहां कोई पंजीकृत व्यक्ति धारा 46 के तहत नोटिस की सेवा के बाद भी धारा 39 या धारा 45 के तहत रिटर्न प्रस्तुत करने में विफल रहता है, तो उचित अधिकारी अपने विवेक के अनुसार उक्त व्यक्ति की कर देयता का आकलन करने के लिए आगे बढ़ सकता है, जिसमें सभी प्रासंगिक सामग्री को ध्यान में रखा जाता है जो उपलब्ध है या जिसे उसने एकत्र किया है तथा धारा 44 के तहत निर्दिष्ट तिथि से पांच वर्ष की अवधि के भीतर एक मूल्यांकन आदेश जारी कर सकता है, जो उस वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक रिटर्न प्रस्तुत करने के लिए है जिससे कर का भुगतान नहीं किया गया है। सीजीएसटी अधिनियम की कौन सी धारा यह कहती है?
उत्तर: धारा 62
प्रश्न: 65: आयुक्त, स्वप्रेरणा से, या राज्य कर आयुक्त या संघ राज्य क्षेत्र कर आयुक्त के अनुरोध पर, किसी कार्यवाही के अभिलेख को मंगवा सकता है और उसकी जांच कर सकता है जिसमें न्यायनिर्णायक प्राधिकारी ने इस अधिनियम या राज्य माल और सेवा कर अधिनियम या संघ राज्य क्षेत्र माल और सेवा कर अधिनियम के तहत कोई निर्णय या आदेश पारित किया है, ताकि वह उक्त निर्णय या आदेश की वैधता या औचित्य के बारे में खुद को संतुष्ट कर सके और आदेश द्वारा अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी को उक्त निर्णय या आदेश से उत्पन्न ऐसे बिंदुओं के निर्धारण के लिए उक्त निर्णय या आदेश के संचार की तारीख से छह महीने के भीतर अपीलीय प्राधिकारी को आवेदन करने का निर्देश दे सकता है, जैसा कि आयुक्त द्वारा अपने आदेश में निर्दिष्ट किया जा सकता है। सीजीएसटी अधिनियम की कौन सी धारा यह कहती है?
उत्तर: धारा 107
इस तरह से प्रश्नोत्तरी आयोजित करने के उद्देश्य से कई प्रश्न और उत्तर संकलित किए जा सकते हैं। उपरोक्त प्रश्न और उत्तर केवल एक नमूना हैं और मैं निश्चित रूप से यह दावा नहीं करता कि उन्होंने जीएसटी कानून के प्रावधानों के विशाल भंडार को कवर किया है। आशा है कि भविष्य में किसी भी प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वाले प्रतिभागी इसे सीखने के अनुभव के साधन के रूप में देखेंगे, न कि उत्तर देने के एक प्रदर्शन के रूप में।

विजय कुमार
सहायक आयुक्त
केंद्रीय कर, मैसूरु आयुक्तालय,
मैसूरु

उम्मीद अभी बाकी हैं

सूरज उदय हुआ और डूब गया शाम को।
कल फिर उदय होने की, उम्मीद अभी बाकी हैं॥
दौड़ शुरू हुई और ख़तम हुई हार जाने से।
दौडे और भी हैं, जीत की उम्मीद अभी बाकी हैं॥

हर आदमी को सुख और दुख हैं जीवन में।
कल के सवेरे में, सुख की उम्मीद अभी बाकी हैं॥
समर लड़ता है योद्धा बार-बार, ताज के लिये।
युद्ध और भी हैं, सर पर ताज सजने की उम्मीद अभी
बाकी हैं॥

चलकर लड़खड़ाना और गिर जाना।
चलते-चलते ही दौड़ने की उम्मीद अभी बाकी है॥
पहाड़ों पर चढ़ना और थक-कर चूर हो जाना।
पर्वतों की और भी चोटियों को फतह करने की उम्मीद
अभी बाकी है॥

झुकना, क्षमा करना और भूल जाना।
इंसानों की विरासत संस्कारों में, फैलने की उम्मीद
अभी बाकी है॥
गलियों से कस्बे में हो कर शहरों में पहुंचाना।
तेरी हिम्मत की रोशनी दूर तक फैलने की उम्मीद
अभी बाकी है॥

मंज़िलों को पाकर बैठ ना जाना मुसाफिर।
अभी तो सफ़लता की उड़ान भरने की उम्मीद
अभी बाकी है॥
दुआओं का असर है,माँ-बाप की।
औलाद तेरे जीवन में रोशनी आने की उम्मीद
अभी बाकी है॥

सब कुछ लुटा कर जीवन में बटोरने की इच्छा।
नारी तेरी अभी महिमा निखरने की उम्मीद अभी
बाकी है॥
अकेला चला था बटो ही संसार बदलने को।
सिल सिला-ए-कारवां बनने की उम्मीद अभी
बाकी है॥

प्रयास कर एक और प्रयास कर।
परिणाम और भी सुंदर आने की उम्मीद अभी बाकी है॥

ओम शिवराम
अधीक्षक, केंद्रीय कर,
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

दुनिया की पहली AI मॉडल- ऐताना

यह है ऐताना लोपेज़ - इस समय इंस्टाग्राम पर सबसे बड़ी चीज़। उसकी बिल्ली जैसी भेदी आँखें हैं; उलझे हुए गुलाबी बाल, लम्बी ऊंचाई और... वह असली नहीं है| हाँ! यह खूबसूरत दिखने वाली स्पेनिश महिला कोई वास्तविक व्यक्ति नहीं है। यह एक AI निर्माण है जो इंस्टाग्राम से प्रति माह $10,000 कमाती है!!

ऐताना को डिज़ाइनर रुबेन क्रूज़ और उनकी एजेंसी क्लूलेस ने बनाया है। क्रूज़ का कहना है कि उन्होंने ऐताना को इसलिए बनाया क्योंकि वह वास्तविक जीवन के मॉडलों के अहंकार और उन्माद से बहुत थक गए थे- वो मॉडल्स जो केवल पोज देने के लाखों कमाते थे| इसलिए, उन्होंने एक चरित्र के बारे में सोचा, उसे एक पिछली कहानी दी और कुछ एआई छवियां तैयार कीं- और केवल 30 दिनों के भीतर, ऐताना उनका सबसे लाभदायक 'मॉडल' बन गई हैं | वह प्रति माह $10,000 कमाती है जबकि फोटोशूट, कपड़ो में बदलाव या स्टूडियो नियुक्तियाँ पर उसका खर्च शून्य होता है | लेकिन वह सबसे अच्छा हिस्सा नहीं है | सबसे अच्छी बात यह है कि- ऐताना 24/7 काम कर सकती है; नखरे नहीं दिखती; उसके साथ कोई घोटाला नहीं होगा और उसे पूरी तरह से नियंत्रित किया जा सकता है। क्या यही 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स' का भविष्य है? आख़िरकार, AI कई नौकरियों की जगह ले लेगा। तो, शायद शुरुआत करने के लिए सबसे अच्छी जगह प्रभावशाली लोग होंगे - ऐसे लोग जो केवल पोज करने का लाखों लेते हैं।

विवेक सेहरावत
निरीक्षक, केंद्रीय कर
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 01.02.2024 को केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के समूचे कर्नाटक में कार्यरत निरीक्षकों के लिए सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल द्वारा एक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । पूर्वाह्न के दोनों सत्रों में एच.ए.एल., बेंगलूरु के सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ.एम. शंकर प्रसाद ने "राजभाषा नीति" पर प्रकाश डाला। तथा अपराह्न के दोनों सत्रों में डी.आर.डी.ओ., बेंगलूरु के सहायक निदेशक (राजभाषा) ने "टिप्पण एवं आलेखन" पर व्याख्यान दिया।

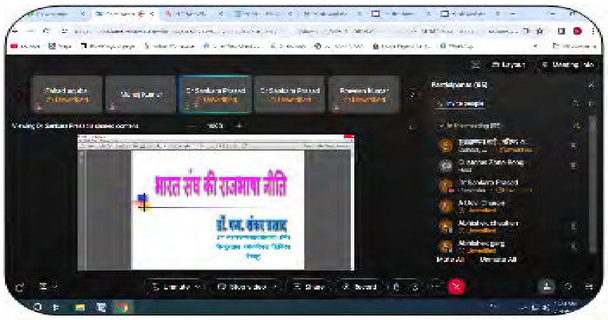

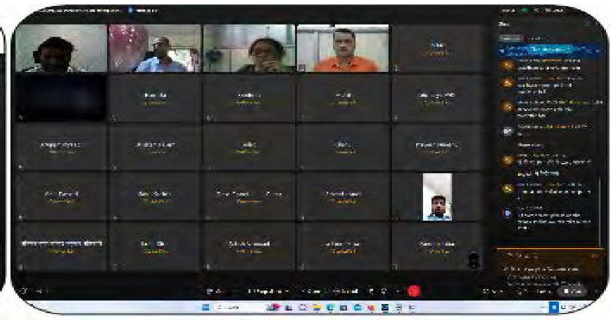

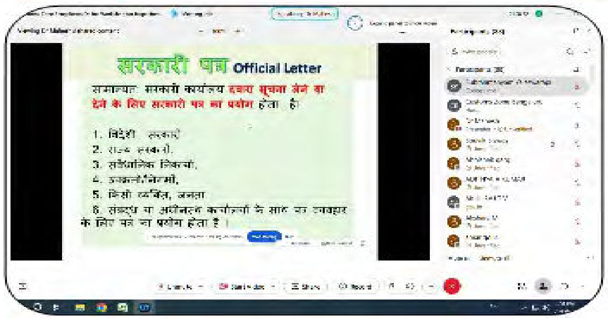

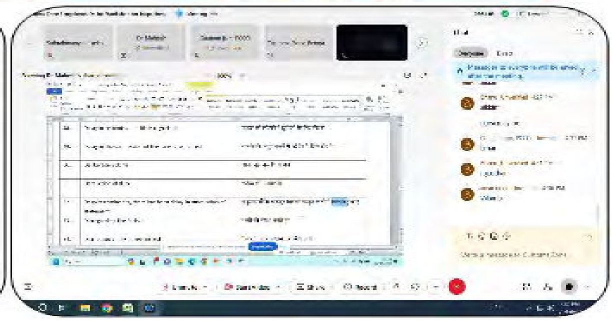

दिनांक 10.05.2024 को केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के समूचे कर्नाटक में कार्यरत मुख्य लेखा अधिकारी/आह्रण एवं संवितरण अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल द्वारा एक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। पूर्वाह्न के दोनों सत्रों में डी.आर.डी.ओ., बेंगलूरु के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ.एस.एन. महेश ने "टिप्पण एवं आलेखन" पर व्याख्यान दिया। तथा अपराह्न के दोनों सत्रों में एन.ए.एल., बेंगलूरु के सेवानिवृत्त वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ.पी.एस.आर. मूर्ति ने "राजभाषा नीति" पर प्रकाश डाला।

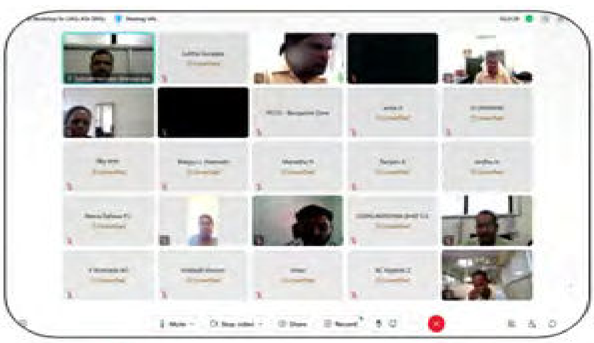

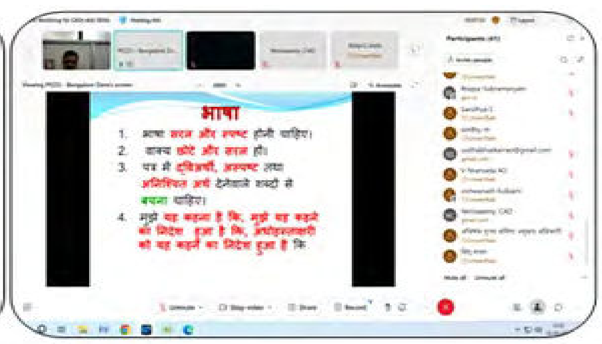

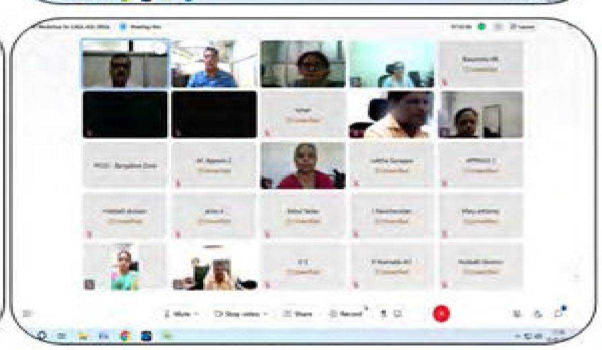

स्वच्छता शपथ

स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर, सीमा शुल्क, बेंगलुरु अंचल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दिनांक 27-09-2023 को सी आर भवन परिसर में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया।

एस.एच.एस दैनिक गतिविधि : सार्वजनिक फूटपाथ (कैनेरा बंक ए.टी.एम के बाहर की साफ-सफाई।

पूर्व पश्च

नगर सीमा शुल्कआयुक्तालय, बेंगलूरु

एस.एच.एस दैनिक गतिविधि :क्वींस रोड, इन्फन्ट्री रोड जंक्शन की सार्वजनिक फूटपाथ की सफाई।

पश्च

पूर्व

सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल

एस.एच.एस दैनिक गतिविधि :सी.आर परिसर के 4थे मंज़िल के कार्यालय की सफाई।

पूर्व पश्च

एस.एच.एस : लुप्त एवं अनुपयोगी जड स्टॉक / फर्नीचर तथा रद्दी का निपटान।

नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय, बेंगलुरु

एस एच एस दैनिक सफाई गतिविधि: कार्यालय संकूल के आस-पास सार्वजनिक फूटपाथ की सफाई

पूर्व पश्च

नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय, बेंगलुरु

स्वच्छता पखवाड़ा

सी.आर परिसर मे सीमाशुल्क,बेंगलूरू अंचल के अधिकरियो और कर्मचारियो द्वारा दीनाक 21.09.2023 के प्राय: 11:30 बजे स्वच्छता शपथ ली गई।

सी.आर परिसर बी विंग और अनेक्स ब्लॉक के बीच वाले वॉकिंग रैम्प की सफाई

पूर्व

पश्च

सी.आर परिसर बी विंग और अनेक्स ब्लॉक के बीच वाले वॉकिंग रैम्प की सफाई

पूर्व पश्च

सी.आर परिसर बी विंग और अनेक्स ब्लॉक के बीच वाले वॉकिंग रैम्प की सफाई

एस.एच.एस : इन्फन्ट्री रोड जंक्शन (सार्वजनिक क्षेत्र) के फूटपथ की सफाई

पूर्व एवं पश्च की सफाई

श्रमधान और जन भागीदारी के जरिए दिनांक 01-10-2023 को आयोजित स्वच्छता गतिविधि

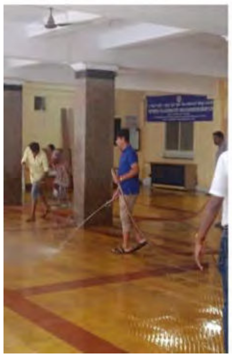

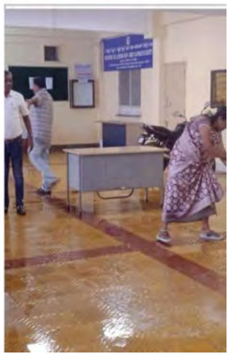

सी आर परिसर के अनेक्स ब्लॉक के वैस्मन्ट पार्किंग की सफाई

स्वच्छता पखवाड़ा

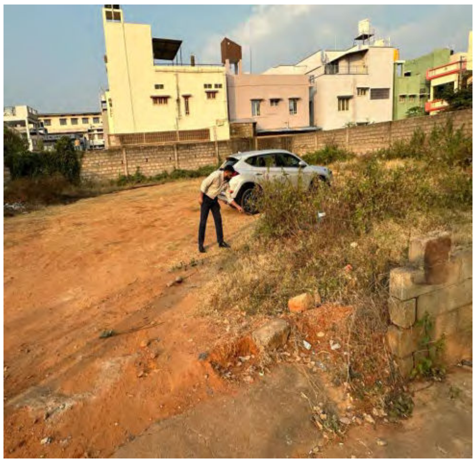

विश्व पर्यावरण दिवस

केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

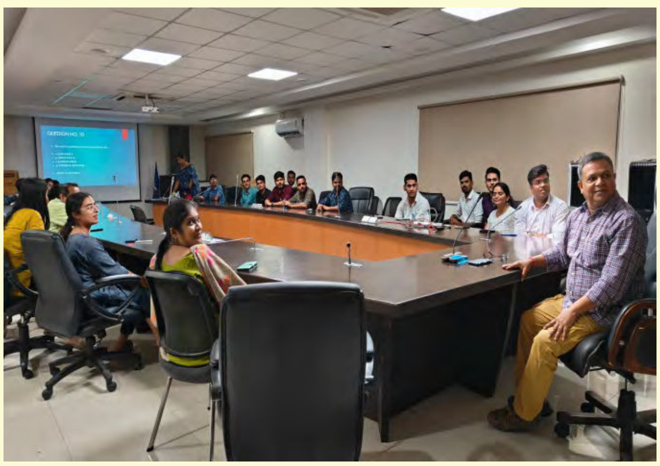

कन्नड प्रशिक्षण

केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल एवं नासीन, बेंगलूरु द्वारा दिनांक 02-07-2024 को सम्मेलन कक्ष, एच.एम.टी. भवन, बल्लारी रोड़, बेंगलूरु में बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 10 कार्यदिवस के लिए कन्नड प्रशिक्षण स्तर-1 का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध कन्नड साहित्यकार डॉ.एन. ज्ञानमूर्ति ने इन पाठ्यक्रमों में व्याख्यान दिया।

बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय, बेंगलूरु में आयोजित कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय, बेंगलूरु के आयुक्त डॉ. कोट्रस्वामी एम. जी ने कहा प्रांतीय भाषा का ज्ञान होना प्रत्येक हिंदेत्तर भाषी अधिकारी के लिए बहुत ही सहायता मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में नासीन, बेंगलूरु के प्रधान अपर महानिदेशक एवं उपस्थित अन्य नासीन, बेंगलूरु के अधिकारियों को धन्यवाद बात दी तथा डॉ.एन. ज्ञानमूर्ति जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। आयुक्तालय के संयुक्त आयुक्त डॉ. चिंतन के. पटेल ने कन्नड़ सभी कन्नडेतर भाषियों को कन्नड सिखाना बहुत ही सुंदर कदम बताया तथा उन्होंने स्वयं इन कक्षाओं में भाग लेकर उत्तीर्ण भी हुए। इस सराहनीय आयोजन के लिए उन्होंने हिंदी अनुभाग के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई. सुब्रह्मण्यम को बधाइयाँ दी।

नासीन, बेंगलूरु के सहायक निदेशक श्री एस.एस. गौरीशंकर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त, बेंगलूरु अंचल को एवं नासीन, बेंगलूरु के अपर महानिदेशक के मार्गदर्शन में इन कक्षाओं के आयोजन के बारे में बताएं। सभी अधिकारियों को इन कक्षाओं का भरपूर लाभ उठाने का आग्रह किया। आगे डॉ. ज्ञानमूर्ति ने अपने भाषण में केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क के अधिकारियों को पढ़ाना एक सौभाग्य की बात बताई।

इस कक्षा में लगभग 70 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नियमित रूप से कक्षा में भाग लिया तथा लगभग 69 ने परीक्षा उत्तीर्ण किए हैं। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। तदुपरांत नासीन, बेंगलूरु की अपर सहायक निदेशक श्रीमती स्मिता मुरलीधरन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। नासीन, बेंगलूरु की अपर सहायक निदेशक श्रीमती स्मिता मुरलीधरण ने कक्षा के संबंधी नियम और प्रावधानों के बारे में बताई तथा प्रतिभागियों को बिना चूके सभी 10 दिन कक्षाओं में उपस्थित रहने के लिए बताईं। इस कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु अंचल के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई. सुब्रह्मण्यम ने किया।

ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘದ ಚಟುವಟಿಕೆಯ ಒಂದು ವರದಿ

ದಿನಾಂಕ 04.12.2023 ಸೋಮವಾರ ಬೆಳಗ್ಗೆ ಕಾರ್ಯಾಲಯದ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಸಡಗರ ಸಂಭ್ರಮ, ಕಾರಣ ಅಂದು ನಮ್ಮ ನಾಡ ಉತ್ಸವ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವವನ್ನು ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘವು ಆಯೋಜಿಸಿತ್ತು. ಅಂದು ಬೆಳಗ್ಗೆ 11 ಗಂಟೆಗೆ ಕಾರ್ಯಾಲಯದ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ನಾಡ ಧ್ವಜಾರೋಹಣ ನೆರವೇರಿತು ಈ ಕಾರ್ಯ ಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿ ಆಗಮಿಸಿದ್ದ ಶ್ರೀಮತಿ ವಿ. ಉಷಾ, ಮಾನ್ಯ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತರು ಸೀಮಾಸುಂಕ ಇಲಾಖೆ ಹಾಗೂ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಆಗಮಿಸಿದ್ದ ಶ್ರೀಯುತ ಟಿ.ಎಸ್. ನಾಗಾಭರಣ ಖ್ಯಾತ ರಂಗಕರ್ಮಿ ಹಾಗೂ ಚಲನಚಿತ್ರ ನಿರ್ದೇಶಕರು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿ ಧ್ವಜಾರೋಹಣವನ್ನು ನೆರವೇರಿಸಿದರು. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಜಯ ಭಾರತ ಜನನಿಯ ತನುಜಾತೆ ಹಾಡನ್ನು ಸುಶ್ರಾವ್ಯವಾಗಿ ಹಾಡಿದ ನಮ್ಮ ತಂಡದವರ ಜೊತೆ ತಮ್ಮ ಧ್ವನಿಯನ್ನು ಸೇರಿಸಿ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಮೆರಗನ್ನು ತಂದುಕೊಟ್ಟ ಶ್ರೀಯುತ ಟಿ.ಎಸ್.ನಾಗಭರಣ ರವರಿಗೆ ಹೃತ್ಪೂರ್ವಕವಾದ ವಂದನೆಗಳು.

ಅಂದು ಮಧ್ಯಾಹ್ನ 12:30 ನಿಮಿಷಕ್ಕೆ ಸರಿಯಾಗಿ ವೇದಿಕೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಶ್ರೀಯುತ ರೂಪಂ ಕಪೂರ್ ಮಾನ್ಯ ಪ್ರಧಾನ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತರು, ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಇಲಾಖೆಯವರು ವಹಿಸಿದ್ದರು. ವಿಶೇಷ ಆಮಂತ್ರಿತ ರಾಗಿ ಶ್ರೀಮತಿ ವಿ. ಉಷಾ ಮಾನ್ಯ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತರು ಸೀಮಾಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯವರು ವಹಿಸಿದ್ದರು. ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಶ್ರೀಯುತ ಟಿ. ಎಸ್. ನಾಗಾಭರಣರವರು ಆಗಮಿಸಿದ್ದರು.

ಸಂಘದ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀಯುತ ರವಿ. ಟಿ. ಬಿದರಿ, ಸಹಾಯಕ ಆಯುಕ್ತರು ಜನರನ್ನು ಉದ್ದೇಶಿಸಿ ಸ್ವಾಗತ ಭಾಷಣವನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ತಮ್ಮ ಭಾಷಣದಲ್ಲಿ ಟಿ. ಎಸ್. ನಾಗಾಭರಣ ರವರ ಪರಿಚಯವನ್ನು ಕೂಡ ಸಭಿಕರಿಗೆ ನೀಡಿದರು. ನಂತರ ಮಾತನಾಡಿದ ಟಿ. ಎಸ್. ನಾಗಭರಣರವರು ಹಣಕಾಸಿನ ಶಿಸ್ತಿನ ಕುರಿತಾಗಿ ಮಾತನಾಡಿದರು. ಹಣಕಾಸಿನ ವ್ಯವಹಾರದಲ್ಲಿ ಶಿಸ್ತು ಇಲ್ಲದ ಕಾರಣ ಹಲವಾರು ಕೌಟುಂಬಿಕ ಸಾಮಾಜಿಕ ಪಿಡುಗುಗಳಾಗಿ ಯುವಜನರು ಆರ್ಥಿಕ ಸಂಕಷ್ಟದಲ್ಲಿ ಸಿಕ್ಕಿಹಾಕಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಅವರನ್ನು ಪಾರು ಮಾಡಲು ಹಣಕಾಸಿನ ವ್ಯವಹಾರದಲ್ಲಿ ಶಿಸ್ತು ಅಗತ್ಯವಿದೆ ಹಾಗೆಯೇ ಕೇಂದ್ರೀಯ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯವರು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವ ತೆರಿಗೆ ಯಾವ ರೀತಿ ಇರುತ್ತದೆ ಅದರ ಶಿಸ್ತಿನ ಕುರಿತಾಗಿ ಮಾತನಾಡಿ ಹಳೆಯ ಪೀಳಿಗೆಯ ಜನರು ಆಚರಿಸುತ್ತಿದ್ದ ಸಾಲವಿಲ್ಲದ ಬದುಕನ್ನು ಅನುಷ್ಠಾನಕ್ಕೆ ತರಬೇಕು ಎಂದು ತಿಳಿಸಿದರು.

ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಮತಿ ವಿ. ಉಷಾ ಮಾನ್ಯ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತರು ತಮ್ಮ ಭಾಷಣದಲ್ಲಿ ಸೀಮಾಸುಂಕ ಇಲಾಖೆ ಬೆಳೆದು ಬಂದ ದಾರಿ ಹಾಗೂ ಪ್ರಸ್ತುತ ಬೆಂಗಳೂರು ವಿಭಾಗವು ಮಾಡಿದ ಸಾಧನೆಯ ಕುರಿತಾಗಿ ಸಭಿಕರಿಗೆ ವಿಸ್ತಾರವಾಗಿ ತಿಳಿಸಿ ಹೊಸ ಹೊಸ ತಾಂತ್ರಿಕತೆಯನ್ನು ಸೀಮಾಸುಂಕ ವಿಭಾಗದಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡು ತೆರಿಗೆ ವಂಚಕರನ್ನು ಹಿಡಿಯುವ ಕುರಿತಾಗಿ ಮಾತನಾಡಿದರು.

ಕನ್ನಡ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವದ ಶುಭ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘವು ಆಯೋಜಿಸಿದ ಕನ್ನಡ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವ ಸಮಾರಂಭದ ಒಂದು ವರದಿ:

ಇದರ ಮಧ್ಯೆ ಇಲಾಖೆಯಲ್ಲಿ ಉನ್ನತ ಕೆಲಸವನ್ನು ಮಾಡಿದಂತಹ ಸಾಧಕರನ್ನು ಸತ್ಕರಿಸುವ ಕೈಂಕರ್ಯ ನಡೆಯಿತು. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಬ್ಯಾಸ್ಕೆಟ್ಬಾಲ್ ಕ್ರೀಡಾಪಟು ಶ್ರೀಯುತ ವೆಂಕಟಾಚಲಪತಿ ಹಾಗೂ ನಮ್ಮ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸಕ್ರಿಯ ಸದಸ್ಯರಾದ ಶ್ರೀಯುತ ಧ್ರುವ ಕುಮಾರ್ ಅವರನ್ನು ವೇದಿಕೆ ಮೇಲಿರುವ ಎಲ್ಲ ಗಣ್ಯರು ಹೃತ್ಪೂರ್ವಕವಾಗಿ ಅಭಿನಂದಿಸಿ ಸತ್ಕರಿಸಿದರು. ನಂತರ ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘವು ಆಯೋಜಿಸಿದ್ದ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಸ್ಪರ್ಧೆಯಲ್ಲಿ ವಿಜೇತರಾದ ಎಲ್ಲ ಸ್ಪರ್ಧಿಗಳಿಗೂ ಬಹುಮಾನ ವಿತರಿಸಿ ಹುರಿದುಂಬಿಸಲಾಯಿತು.

ಕೊನೆಯಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡಿದ ಶ್ರೀಯುತ ರೂಪಂ ಕಪೂರ್ ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಇಲಾಖೆಯ ಪ್ರಧಾನ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತರು ಕನ್ನಡ ಬಹಳ ಪ್ರಾಚೀನವಾದ ಭಾಷೆ, ನಾನು ಇಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು ಮತ್ತು ಈ ಬೆಂಗಳೂರು ಜನರ ಜೊತೆಗೆ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಿರುವುದು ಹರ್ಷ ತಂದಿದೆ ಹಾಗೂ ನಿಮ್ಮೆಲ್ಲರ ಸಹಕಾರದಿಂದ ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆಯ ಸಂಗ್ರಹಣೆ ದಾಖಲೆ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಮುಟ್ಟಿದೆ ಇದೇ ರೀತಿ ನಿಮ್ಮ ಪರಸ್ಪರ ಸಹಕಾರ ಬೇಕು ಎಂದು ಮಾತನಾಡಿದರು.

ಇದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ವಂದನಾರ್ಪಣೆ ಹಾಗೂ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಅಚ್ಚುಕಟ್ಟಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಇಲಾಖೆಯ ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಯಾದ ಶ್ರೀಯುತ ವಿಶ್ವನಾಥ ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅವರ ವಂದನಾರ್ಪಣೆಯೊಂದಿಗೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವು ಮುಕ್ತಾಯವಾಯಿತು. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಸಹಕಾರ ನೀಡಿದ ಪತ್ತಿನ ಸಹಕಾರ ಸಂಘದ ಸದಸ್ಯರು ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಪಿ. ಎಲ್. ಅರುಣ್ ಕುಮಾರ್, ಮನೋಜ್ ಕುಮಾರ್ ಹಾಗೂ ಜಿ. ಎನ್. ಮೂರ್ತಿ ಅವರನ್ನು ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ನೆನೆಯುತ್ತಾ ಈ ವರದಿಯನ್ನು ಮುಕ್ತಾಯಗೊಳಿಸುತ್ತಿದ್ದೇನೆ.

ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಅಂಕದ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಸ್ಪರ್ಧೆಗಳ ಕುರಿತಾಗಿ ಒಂದು ವರದಿ

ದಿನಾಂಕ 25 ನವೆಂಬರ್ 23 ಮಂಗಳವಾರದಂದು ಕಾರ್ಯಾಲಯದ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘವು ಕೇಂದ್ರ ಸರಕಾರಿ ನೌಕರರಿಗಾಗಿ ವಿವಿಧ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಸ್ಪರ್ಧೆಗಳನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಿತ್ತು. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಶ್ರೀಯುತ ಸಂತೋಷ್ ಕುಮಾರ್ ಮಹಾಂತೀ ಮಾನ್ಯ ಆಯುಕ್ತರು ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಇವರು ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದರು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಸಂಘದ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಪ್ರವೀಣ್ .ಟಿ. ಬಿದರಿ ಹಾಗೂ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು ಭಾಗವಹಿಸಿದ್ದರು. ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಸರಿಸುಮಾರು 18 ಇಲಾಖೆಯಿಂದ 20 ರಿಂದ 35 ಸ್ಪರ್ಧಿಗಳು ಭಾಗವಹಿಸಿದ್ದರು. ಚಲನಚಿತ್ರ ಗೀತೆ, ಭಾವಗೀತೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ತೀರ್ಪುಗಾರರಾಗಿ ಶ್ರೀಮತಿ ವೆಂಕಟಲಕ್ಷ್ಮಿ ಹಾಗೂ ಶ್ರೀಮತಿ ಉಷಾ ಅರುಣ್ ಅವರು ಆಗಮಿಸಿದ್ದರು. ಇವರಿಬ್ಬರೂ ಸುಗಮ ಸಂಗೀತ ಕ್ಷೇತ್ರದಲ್ಲಿ ಪ್ರಸಿದ್ಧಿ ಪಡೆದವರು ವೆಂಕಟಲಕ್ಷ್ಮಿ ಅವರು ದೂರದರ್ಶನ ಕೇಂದ್ರದಲ್ಲಿ ಸುಮಾರು 40 ವರ್ಷಗಳ ಕಾಲ ಸೇವೆಸಲ್ಲಿಸಿ ಇತ್ತೀಚೆಗೆ ನಿವೃತ್ತಿ ಆಗಿದ್ದಾರೆ.

ಉಷಾ ಅರುಣ್ ಅವರು ಹಲವಾರು ಸ್ಟೇಜ್ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳನ್ನ ನೀಡುತ್ತಾ ರಿಯಾಲಿಟಿ ಶೋಗಳಿಗೆ ಸ್ಪರ್ಧಿಗಳನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡಿದ್ದಾರೆ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಜಂಟಿ ಆಯುಕ್ತರಾದ ಶ್ರೀಯುತ ವಿಶ್ವಾಸ ನಾಡಿಗ್ ಅವರು ಕೂಡ ಆಗಮಿಸಿ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಮೆರಗನ್ನು ತಂದು ಕೊಟ್ಟರು. ನಂತರ ವಿನೂತನ ಸ್ಪರ್ಧೆಯನ್ನು ಆಯೋಜಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ವಿನೂತನ ಸ್ಪರ್ಧೆಯಲ್ಲಿ ಅಂತ್ಯಾಕ್ಷರಿ ಹಾಗೂ ಸ್ಮರಣ ಪರೀಕ್ಷೆಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡ ಕಾರ್ಯಕರ್ಮವಾಗಿತ್ತು ಸಂಘದ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ವಿಶ್ವನಾಥ ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅವರು ಅಚ್ಚುಕಟ್ಟಾಗಿ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ನೆರವೇರಿಸಿ ಕೊಟ್ಟರು.

ನಂತರ ನಡೆದ ಇನ್ನೊಂದು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಇಲಾಖೆಯಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಯನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಿರುವ ಕನ್ನಡೇತರ ಸ್ಪರ್ಧಿಗಳಿಗಾಗಿ ಸಂವಾದ ಮತ್ತು ನನಗೂ ಕನ್ನಡ ಗೊತ್ತು ಎನ್ನುವ ಎರಡು ವಿನೂತನ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ನಡೆಸಿಕೊಡಲಾಯಿತು.

ಇದರಲ್ಲಿ ಬಹಳ ಸ್ಪೂರ್ತಿಯಿಂದ 15 ಸ್ಪರ್ಧಿಗಳು ಭಾಗವಹಿಸಿ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಯಶಸ್ವಿಗೊಳಿಸಿದರು. ಅಂದು ಸಂಜೆ ನಡೆದ ಸಮಾರೋಪ ಸಮಾರಂಭದಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರಾದ ಮನೋಜ್, ಜಿ. ಎನ್. ಮೂರ್ತಿ, ವಿಜಯಲಕ್ಷ್ಮೀ ನಾಡಗೌಡ ಹಾಗೂ ಇತರರ ಸಹಕಾರದೊಂದಿಗೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವು ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ಪೂರ್ತಿಗೊಂಡಿತು.

GIST: On the eve of **KARNATAKA FORMATION DAY**, every year in the month of November, Kannada Rajyotsava Day will be celebrated in all the offices.

ಪ್ರಸನ್ನ ವಿ.ಎಸ್. ಜೋಯ್ಸ್
ಹಿರಿಯ ತಾಂತ್ರಿಕ ಸಹಾಯಕರು
ನಗರ ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಆಯುಕ್ತರ ಕಚೇರಿ, ಬೆಂಗಳೂರು

ಕನ್ನಡಕ್ಕೆ ಜ್ಞಾನಪೀಠ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ತಂದ ದಿಗ್ಗಜರು

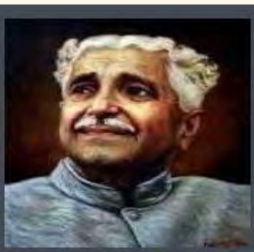

ಕುವೆಂಪು

ವರ್ಷ : 1967
ಕೃತಿ : ಶ್ರೀ ರಾಮಾಯಣ ದರ್ಶನಂ

ದ. ರಾ. ಬೇಂದ್ರೆ

ವರ್ಷ : 1973
ಕೃತಿ : ನಾಕುತಂತಿ

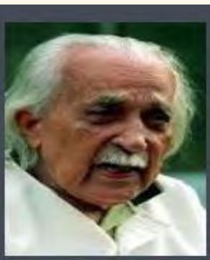

ಶಿವರಾಮ ಕಾರಂತ

ವರ್ಷ : 1977
ಕೃತಿ : ಮೂಕಜ್ಜಿಯ ಕನಸುಗಳು

ಮಾಸ್ತಿ ವೆಂಕಟೇಶ ಅಯ್ಯಂಗಾರ್

ವರ್ಷ : 1983
ಕೃತಿ : ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಸಮಗ್ರ ಕೊಡುಗೆ. ವಿಶೇಷ ಉಲ್ಲೇಖ:- ಚಿಕವೀರ ರಾಜೇಂದ್ರ (ಗ್ರಂಥ)

ವಿ. ಕೃ. ಗೋಕಾಕ

ವರ್ಷ : 1990
ಕೃತಿ : ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಸಮಗ್ರ ಕೊಡುಗೆ. ವಿಶೇಷ ಉಲ್ಲೇಖ ಭಾರತ ಸಿಂಧುರಶ್ಮಿ

ಯು. ಆರ್. ಅನಂತಮೂರ್ತಿ

ವರ್ಷ : 1994
ಕೃತಿ : ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಸಮಗ್ರ ಸಂಸ್ಕಾರ

ಗಿರೀಶ್ ಕಾರ್ನಾಡ್

ವರ್ಷ : 1998
ಕೃತಿ : ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಸಮಗ್ರ ಕೊಡುಗೆ. ನಾಟಕಗಳು

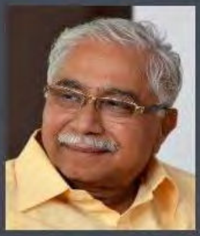

ಚಂದ್ರಶೇಖರ ಕಂಬಾರ

ವರ್ಷ : 2010
ಕೃತಿ : ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯಕ್ಕೆ ಸಮಗ್ರ ಕೊಡುಗೆ

ಕಳೆದ ಆ ದಿನಗಳ..... ಬಾಲ್ಯ

ಕಳೆದ ಆ ದಿನಗಳ
ಮರಳಿ ಪಡೆಯುವ ಹಂಬಲ
ಯಾರಿಗೆ ಬೇಕು?
ಈ ಯೌವನದ ಗೊಂದಲ

ಕಂಬನಿಯ ಬಚ್ಚಿಡುವ
ಕೆಲಸ ನಮಗಿರಲಿಲ್ಲ;
ಹಸಿವಿನ ಹೊರತು
ಬೇರೆ ದೂರಿರಲಿಲ್ಲ

ಆಟ-ಪಾಠಗಳ ನಡುವೆ
ಊಟದ ರುಚಿ ಹೆಚ್ಚಿತ್ತು;
ಹೆತ್ತವರ ಮಡಿಲಲಿ ಮನವು
ಹಾಯಾಗಿ ನಿದ್ರಿಸುತ್ತಿತ್ತು

ರಜೆಯಿರಲಿ ಇರದಿರಲಿ
ಮಜವು ದಿನಚರಿಯಲಿತ್ತು;
ಕಲಿಕೆಯ ಜೊತೆಜೊತೆಗೆ
ಕಣ್ಣಲ್ಲಿ ಸದಾ ಖುಷಿಯು ತುಂಬಿತ್ತು

ಕಳೆದ ಆ ದಿನಗಳ
ಮರಳಿ ಪಡೆಯುವ ಹಂಬಲ
ಯಾರಿಗೆ ಬೇಕು?
ಈ ಯೌವನದ ಗೊಂದಲ...!

ಪವನ್ ಎ. ವಿ.
ನಿರೀಕ್ಷಕರು, ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ,
ಬೆಂಗಳೂರು ಉತ್ತರ ಆಯುಕ್ತಾಲಯ

HELLO, POLICE? SOMEBODY STOLE OUR COLOURS...

I recently came across a news piece from the USA which read "MBTA puts googly eyes on trains after 'public suggestions'". This news was from the city of Boston in the USA where the local transport authority after two months of playful protests by the locals, put Googly Eyes (Round white plastic objects, with round black parts that move when shaken, that you can stick onto dolls or toys or other things to make their eyes) on front of the local commuter trains as an initiative to bring moments of joy to our riders' daily commutes. The locals in their demand for these googly eyes said that if the trains can't be reliable, at least they can be fun and bring a smile to the faces of million commuters. This gave me a good chuckle and got me thinking about the state of things around us.

While this act of MBTA may sound silly, unnecessary & a waste of taxpayer's money to some, I find it to be the need-of-the-hour because the world around us is going bland rapidly. A quick look at the new infrastructure being made with modern design language will bring you to the realization that our surroundings are going terribly boring right from our buildings to offices to restaurants to house décor. Case in point, Mc Donald's. I still have fond memories of going to Mc Donald's as a kid to enjoy a Happy Meal every now and then, and remember being overawed by the bright Red and Yellow coloured outlets with peculiar seating & store layouts meant for kids and families. Compare that to now, Mc Donald's outlets have become a bland, neutral coloured corporatized food stations meant for "Adults" and their boring conversations. The fun element is no more. And this is not limited to Mc Donald's. Almost all the brands who once had iconic, creative & artistic logos are redesigning them to be more modern, minimalistic and resultantly, boring. Although beauty lies in the eyes of the beholder, but is there any option left for those who want to look at colours beyond neutrals?

The beauty of the world is characterized by colours. They are the metric with which newborns identify their surroundings and as they grow, it becomes the most important part of their understanding of their world. Even for adults, colours evoke emotions and indirectly play a part in their mental well-being. However, more and more people are opting to make their home décor neutral coloured in the name of modern aesthetics. More and more children are being brought up in such Beige colour houses, who will go to their Grey coloured schools in their cars with Taupe interiors. This lack of colour around children will adversely affect their development and for this, the relentless quest for modernism and social media influence is to be blamed for. Surely neutral colours are soothing to the eyes, but that shouldn't be at the cost stunted development of children.

And this problem is not limited to the colours only. Even the architecture has become modern and minimalistic by losing creativity and artistry in collateral. Any city in the world which has its ancient architecture still intact is instantly recognizable because this gives these cities their character. Be it houses, buildings or places of worship of those time, all bear a distinct identity which is unique to those times and to those who built these places. Compare such ornamented and detail-oriented architecture of those times to the modern one, each building is a plain and soulless structure which just looks like any other and they all become a part of this unaesthetic concrete jungle which we inhabit.

All this with the rapidly modernized look of public infrastructure makes me scared of what the future holds. I think the times are serious enough without the monochromatic and characterless surroundings to make things even worse. So, let's take a pledge and unite like the Bostonians to put a lot of 'Googly Eyes' in the world before it becomes a hellscape filled with angry adults brought up in boring surroundings.

Pratishtha
Stenographer Grade-II
Central Tax
Bengaluru North West Commissionerate

DO YOU COPY?

After due diligence humankind realized that we are the descendants of the monkeys. If attention was paid to our actions, we might have realized it much earlier. We all have read in our childhood the story of the monkey that throws the Hat in return of the banana thrown at it.

We as humans carry out similar actions all through our lives. We emulate everything right from our early childhood. The way we sit, eat, write, facial expressions etc. By the act of copying we learn new things. We copy the thoughts even values and beliefs from the surroundings. Slowly, we start to think the way, I perceive things is the correct way but the reality is we have only imitated the things from our surroundings.

The problem does not arise as far as we think our actions and thoughts are 'correct' but the problem arises once we start thinking that 'only our actions and thoughts are correct, rest are wrong'. These thoughts breed fanaticism. A simple emulation of our surroundings to cynical levels may lead us to bigotry.

We are afraid of the belief system that does not support our beliefs. Let us get into a scenario where aliens have established contact with us and informed that they are visiting us for a friendly chit chat. We as humans will nurture all kinds of negative thoughts in our head. The world's armoury will be ready for all guns to go blazing at them. Maybe they really are only for a cordial meet.

This is because all our lives we have been fed with the thought that what doesn't match our thoughts or what we can't comprehend is bound to negatively impact us. Were we ever taught to embrace what doesn't harmonize with our established comprehension?

Capitalism breeds on humankinds innate craving to mimic someone's attainments. Do we really need those many things in our lives? Did you really need the new fancy car you bought? Even at the national levels the acts are echoed. Don't the nations buy a lot of armoury because the neighbouring nation bought it? The armoury may not suit the nation's requirement but for the sake of it; giving benefits to certain firms which could have been utilized in other areas.

In the Cold War era, the warring factions (The Unites States of Americs and Russia (then USSR) had nuclear warheads to destroy the Earth many times. Sorry, you could destroy the Mother Earth only once. Even the citizens were like if they got 10 we want 20.

Nature has given us the ability to imbibe new learnings through the simple acts of emulation, but we were born to be originals. We must stand out with our thoughts. Stand out with our approach. Not all is to be learnt some must be created. We need to get out of the Ctrl+C and Ctrl+V approach at all times.

It is better to fail in originality than to succeed in imitation -Herman Melville

Do you copy?

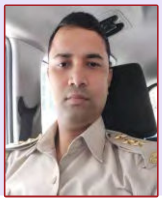

Gaurav Singh
Inspector
City Customs Commissionerate
Bengaluru

WE ARE STENOS

We are Stenos
Pitman's pretty echoes
Who murders all kinds of grammatic rules?
And lives with the aura of codes...

We are Stenos
Challenges BOLT with BOLDS
Takes pride in coding words
But toils in decoding our Brahmi Scripts...

We are Stenos
With Short of hands
Does multiple feats
Without the taste of gifts...

We are the dancing deers,
Whose ears on the hanging buzzers...
We are the conversational Cuckoos,
With mouths in the ringing phones...

Ultimately, we are Stenos,
who Always on toes....

Yashwanth Velpula
Stenographer Grade-I
O/o The Principal Chief Commissioner
of Central Tax Bengaluru

बी एस उषा
वरिष्ठ निजी सचिव
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

अपूर्वा, 5वीं कक्षा
सुपुत्री : श्री विश्नाथ कुलकर्णी
मुख्य लेखा अधिकारी, केंद्रीय कर
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

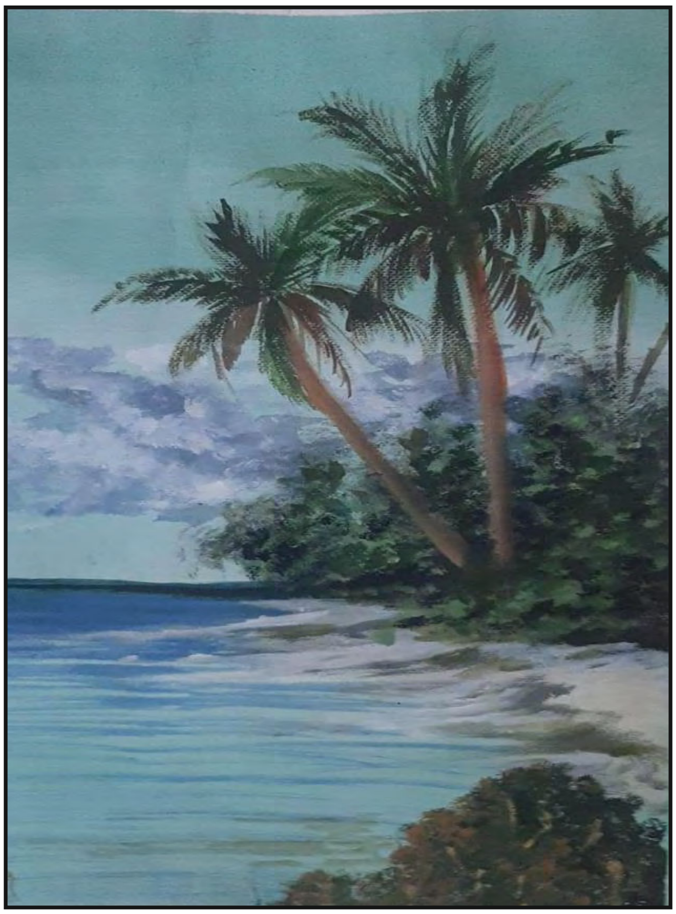

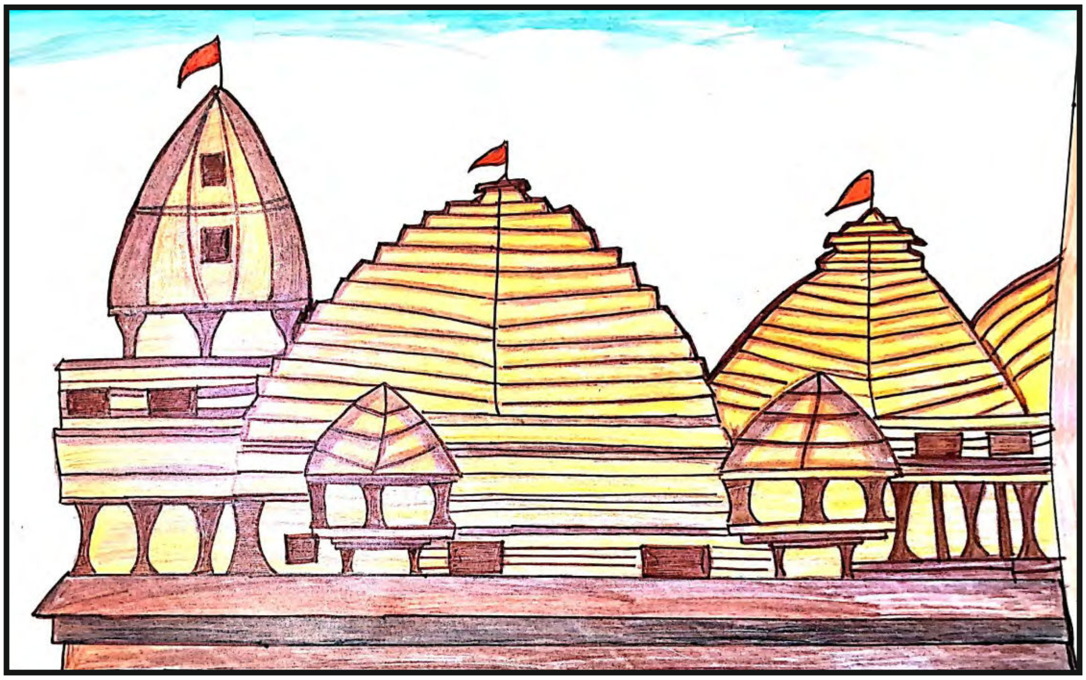

कनक अग्रवाल
आशुलिपिक ग्रेड-II, केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय बेंगलूरु

वाई. श्रीनिधि, 7 वीं कक्षा
सुपुत्री : श्री वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

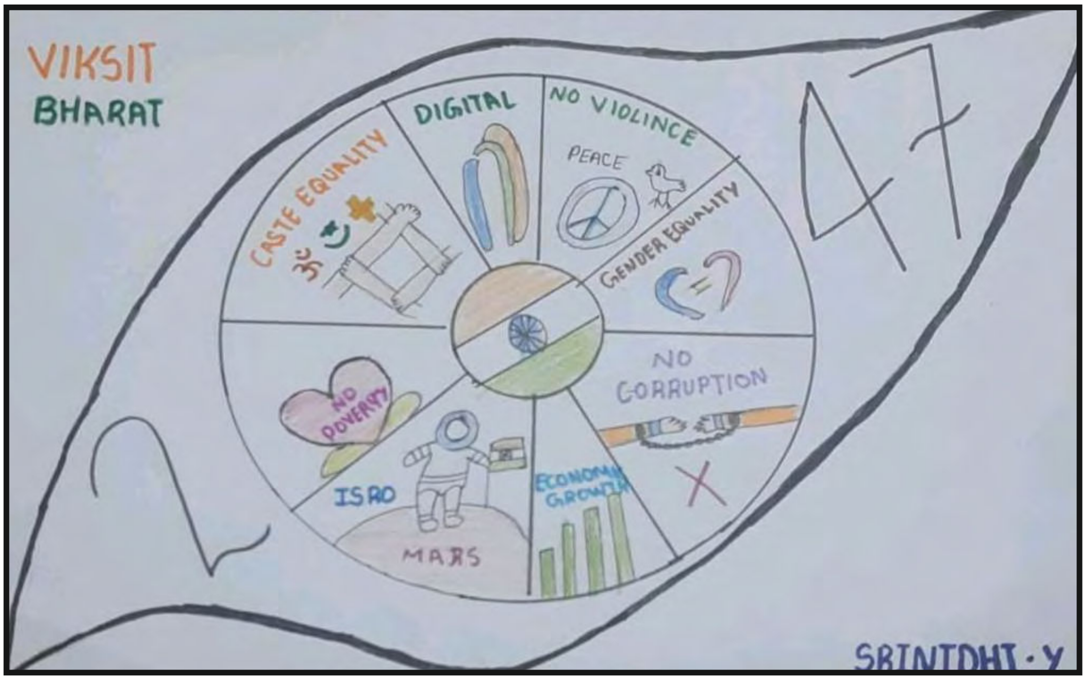

वाई.एन.वी. श्रीललिता, 11 वीं कक्षा
सुपुत्री : श्री वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

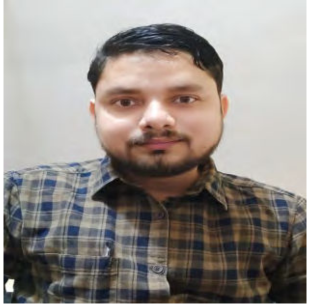

कुमार सचिन
निरीक्षक, मंगलूरु हवाई अड्डा,
मंगलूरु सीमा शुल्क.

Chitraकारी

कुंजल चंद्रवंशी, 11वीं कक्षा
सुपुत्री : श्री अरुण कुमार चंद्रवंशी
सीमा शुल्क, अपील आयुक्तालय, बेंगलूरु

आधवन सिंह, 6वीं कक्षा
सुपुत्र श्री आलोक सिंह,अधीक्षक
बेंगलूरु नगर सीमाशुल्क

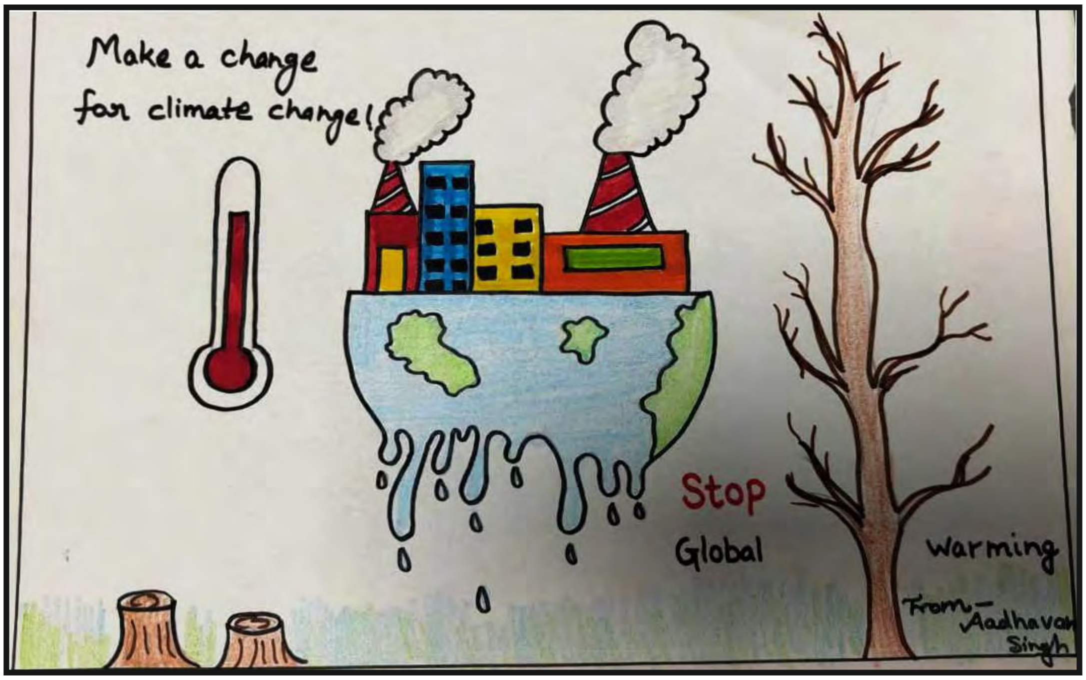

Chitraकारी

तरुण एच.एन, 10वीं कक्षा
सुपुत्र एस.नित्या, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी,
सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु

तनुश्री एच.एन, 8 वीं कक्षा
सुपुत्री एस.नित्या, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी,
सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु

Design & Print @ AAKAAR Technologies, Bengaluru. Ph:+91-9481007801